हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 174 बेमेतरा, शनिवार 14 फरवरी 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

खरसिया कार्बन प्लांट ब्लास्ट पिता-पुत्र और 9 माह की मासूम समेत चार की मौत

रायगढ़। खरसिया के मंगल कार्बन प्लांट में हुए भीषण विस्फोट ने एक ही परिवार की खुशियां उजाड़ दीं। इस दर्दनाक हादसे में अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है। इलाज के दौरान 9 माह की मासूम बच्ची के बाद 11 फरवरी को तीन अन्य लोगों ने दम तोड़ दिया। मृतकों में पिता, पुत्र और मासूम बच्ची शामिल हैं, जिससे परिवार पर असहनीय दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने मुआवजे और सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर नेशनल हाईवे पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। परिजनों का आरोप है कि कंपनी प्रबंधन ने प्रत्येक मृतक के लिए 12-12 लाख मुआवजे की घोषणा की है, जो अपर्याप्त है। उनका कहना है कि प्रत्येक मृतक के बदले कम से कम 50-50 लाख मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को स्थायी नौकरी और उचित पुनर्वास पैकेज दिया जाए।

बेकाबू पिकअप ने साइकिल सवार को रौंदा, इलाज के दौरान मौत

जयपुर। राजधानी के सांगानेर इलाके में रफ्तार का कहर एक बार फिर जानलेवा साबित हुआ। हल्दीघाटी मार्ग पर एक तेज रफ्तार पिकअप ने साइकिल सवार व्यक्ति को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की दोपहर इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक जयपुर में रहकर गाड़ियों की साफ-सफाई का काम करता था और हादसे के वक्त अपने काम पर ही जा रहा था। सुबह की शिफ्ट में काम पर जा रहा था इतवारी पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान इतवारी (45) के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले का निवासी था। इतवारी अपनी पत्नी के साथ पिछले दो महीनों से जयपुर में रह रहा था। वह सुबह-सुबह सोसायटियों में गाड़ियों की सफाई कर अपना गुजारा करता था। सोमवार सुबह करीब 5:30 बजे जब वह अपनी साइकिल से मेवाड़ अपार्टमेंट की ओर जा रहा था, तभी हल्दीघाटी मार्ग पर महाराणा प्रताप सर्किल की ओर से आई एक ओवरस्पीड पिकअप ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। हादसा इतना भीषण था कि पिकअप की टक्कर लगते ही इतवारी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

मॉर्निंग वॉक पर निकले दो मिस्त्रियों की मौत, एक गंभीर

जशपुर। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर गम्हरिया के पास गुरुवार सुबह करीब 6 बजे एक भीषण सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। जानकारी के अनुसार, स्थानीय निवासी रोज की तरह मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। इसी दौरान तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पैदल चल रहे लोगों को टक्कर मार दी।

बांग्लादेश चुनाव-20 साल बाद सत्ता में लौटी बीएनपी

बीएनपी को मिला पूर्ण बहूमत,तारिक रहमान बनेंगे प्रधानमंत्री

ढांका/ एजेंसी

बांग्लादेश की राजनीतिक फिज़ा में दो दशकों के बाद एक बड़ा बदलाव आया है। 13 फरवरी, 2026 को आए चुनावी नतीजों ने यह साफ कर दिया है कि तारीक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी सत्ता में शानदार वापसी कर ली है। रिपोर्ट्स के अनुसार, 300 सदस्यीय संसद में बीएनपी ने 151 सीटों का जादुई आंकड़ा पार कर 'पूर्ण बहुमत' हासिल कर लिया है। यह जीत बीएनपी के लिए इसलिए भी ऐतिहासिक है क्योंकि पार्टी करीब 20 साल बाद फिर से देश की कमान संभालने जा रही है। 17 साल के लंबे निर्वासन के बाद वतन लौटे तारिक रहमान के लिए यह चुनाव व्यक्तिगत रूप से भी एक बड़ी जीत साबित हुआ है। उन्होंने दो महत्वपूर्ण सीटों बोगुरा-6 और ढाका-17 पर भारी अंतर से जीत दर्ज की है। ढाका-17 सीट पर उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी जमात-ए-इस्लामी के उम्मीदवार को 4,399 वोटों से हराया। जीत की आधिकारिक घोषणा के बीच खबर यह भी मिली है कि तारीक रहमान शनिवार को प्रधानमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। संसद परिसर में शपथ समारोह की तैयारियां पहले ही शुरू की जा चुकी हैं। अपनी इस बड़ी सफलता के बाद रहमान ने कार्यकर्ताओं से संयम बरतने की अपील की है और फिलहाल किसी भी विजय रैली के बजाय जुमे की नमाज के बाद दुआ करने का निर्देश दिया है। बीएनपी की

इस जीत पर दुनिया भर से प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हो गई हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तारीक रहमान को फोन पर बधाई दी और कहा कि यह जीत बांग्लादेश की जनता के उनके नेतृत्व पर अटूट भरोसे को दर्शाती है। पीएम मोदी ने भरोसा जताया कि भारत एक लोकतांत्रिक और समावेशी बांग्लादेश के साथ मिलकर साझा विकास लक्ष्यों पर काम करना जारी रखेगा। इसके साथ ही अमेरिका और पाकिस्तान के नेतृत्व ने भी चुनाव को सफल बताते हुए रहमान को अपनी शुभकामनाएं भेजी हैं। बांग्लादेश चुनाव आयोग के अनुसार, इस 13वें संसदीय चुनाव में कुल 60.69 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इस बार संसद में महिलाओं की भागीदारी भी उल्लेखनीय रही है, जहां सात महिला उम्मीदवारों ने जीत हासिल की जिनमें से छह बीएनपी के टिकट पर संसद पहुंची हैं। इनमें अफ्रोजा खान रीता और बैरिस्टर रूमिन फरहाना जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। 20 नवंबर 1965 को जन्मे तारिक रहमान बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वरिष्ठ नेता और पार्टी के चेयरमैन हैं। वह पार्टी की सर्वोच्च राजनीतिक इकाई का नेतृत्व करते हैं। उन्होंने ढाका यूनिवर्सिटी से शिक्षा प्राप्त की और राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाना शुरू किया। वे बांग्लादेश के इतिहास में एक राजनीतिक परिवार से आते हैं। उनके पिता जिया उर रहमान बांग्लादेश के राष्ट्रपति और स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे।

पीएम मोदी ने कहा- लोकतांत्रिक बांग्लादेश के सपोर्ट में खड़ा रहेगा भारत

बांग्लादेश के आम चुनाव में तारिक रहमान की पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी को भारी जीत मिली है। इस जीत पर नरेंद्र मोदी ने तारिक रहमान को बधाई दी और भरोसा दिलाया कि भारत हमेशा बांग्लादेश के समर्थन में खड़ा रहेगा। जानकारी के अनुसार, तारिक रहमान पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के पुत्र हैं और संभावना है कि वह बांग्लादेश के अगले प्रधानमंत्री बन सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तारिक रहमान को बांग्लादेश के संसदीय चुनावों में जीत की बधाई दी है। पीएम मोदी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए लिखा कि बांग्लादेश में हुए पार्लियामेंट्री चुनावों मेंबीएनपी को बड़ी जीत दिलाने के लिए वह तारिक रहमान को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह जीत बांग्लादेश की जनता का उनके नेतृत्व पर विश्वास दर्शाती है। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में यह भी कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के साथ खड़ा रहेगा।

निशिकांत दुबे ने लगाए गंभीर आरोप

भारत के बंटवारे की साजिश रच रहे राहुल

नई दिल्ली। भारतीय राजनीति के गलियारों में फिर आरोप-प्रत्यारोप की आंधी तेज हो गई है। भाजपा के फायर ब्रांड सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए उन पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। दुबे ने राहुल गांधी के आचरण पर सवाल उठाते हुए न केवल उन्हें टुकड़े-टुकड़े गैंग का सरगना बताया, बल्कि उनकी संसद सदस्यता रद्द करने तक की मांग कर डाली है। निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कुछ दस्तावेज साझा करते हुए दावा किया कि राहुल गांधी के संबंध फोर्ड फाउंडेशन और विवादित अमेरिकी अरबपति जॉर्ज

सोरोस से हैं। उन्होंने सवाल उठाया, क्या सत्ता पाने के लिए राहुल गांधी देश के बंटवारे की साजिश रच रहे हैं? भाजपा सांसद का तर्क है कि राहुल की हालिया विदेश यात्राएं (वियतनाम, कंबोडिया, बहरीन और थाईलैंड) केवल देशद्रोहियों से मिलने के लिए होती हैं।

2007 में वाराणसी कोर्ट में हुआ था विस्फोट

बिहार के बाद यूपी की अदालतों को उड़ाने की धमकी लखनऊ-काशी समेत 5 कोर्ट परिसर कराए गए खाली

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत वाराणसी, अयोध्या, मेरठ और मिर्जापुर कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। सभी स्थानों पर धमकी का ईमेल सरकारी मेल पर आया है। इसका जानकारी मिलेते ही पुलिस-प्रशासन में हड़कंप मच गया। फिलहाल पांचों कोर्ट परिसरों को पुलिस ने खाली कराया गया है। फिलहाल कोर्ट की कार्रवाई रोक दी गई है। काशी में आनन-फानन में 3 हजार से अधिक वकील और 5 हजार वादकारियों ने कोर्ट छोड़ दिया। जिला जज कैंपस से बाहर आ गए। पुलिस, डॉग स्क्वॉड और बम स्क्वॉड की टीमें कोर्ट परिसर की जांच कर रही हैं। हालांकि, अब तक कहीं भी कुछ नहीं मिला है। बता दें, दो दिन पहले बिहार में अलग-अलग कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। हालांकि, किसी भी कोर्ट में कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक नहीं मिला था। पुलिस के मुताबिक अधिकतर मेल का पैटर्न एक जैसा है। वैसे, मेल किसने भेजा और कहां से आया, इसका पता नहीं चल पाया है। पुलिस जांच कर रही कि एक साथ मेल क्यों भेजे गए। इसके पीछे कोई साजिश क्या है। सूत्रों के

अनुसार पूरे मामले पर लखनऊ के बड़े अफसर नजर रख रहे हैं। साइबर सेल और सुरक्षा एजेंसियां भी जांच में जुट गई हैं। 23 नवंबर 2007 को वाराणसी कोर्ट में बम विस्फोट हुआ था। इसमें 3 वकीलों समेत 9 लोगों की मौत हुई थी। 50 लोग घायल हुए थे। यही कारण है कि धमकी को पुलिस बेहद गंभीरता से ले रही है, इसलिए बम और डॉग स्क्वॉड के साथ एटीएस और एसटीएफ को भी बुलाया गया है। एडिशनल सीपी शिवहरी मीणा ने बताया कि वाराणसी कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी के बाद जांच जारी थी। 3 घंटे तलाशी के बाद पूरी कचहरी का कोना-कोना खंगाला गया। तलाशी पूरी हुई और कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। मेल और अन्य गतिविधियों की जांच कराई जा रही है। लखनऊ कोर्ट में वकीलों के अलावा अन्य लोगों की एंट्री रोक दी गई है। यहां सर्च अभियान चलाया गया है। बनारस कचहरी के बाद लखनऊ कोर्ट परिसर में बम होने की सूचना मिलने से अफरा-तफरी मच गई।

सीडीएस ने मैकमोहन लाइन का जिक्र कर कही ये बात

चीन संग पंचशील समझौता क्यों चाहते थे नेहरू-अनिल चौहान.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

चीन और भारत के संबंधों को लेकर अक्सर चर्चाएं होती हैं। देश की आजादी के बाद बीते 78 वर्षों में चीन के प्रति भारत सरकार की नीति क्या रही है? इस विषय पर भूराजनीतिक मामलों के जानकारों के साथ-साथ सामरिक विषयों की समझ रखने वाले विशेषज्ञों की भी रूचि रही है। चीन के साथ पंचशील समझौते की जरूरत और इसके पीछे देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू क्या सोचते थे? इस सवाल पर भारत के मौजूदा सर्वोच्च सैन्य अधिकारी जनरल अनिल चौहान ने बयान दिया है।

चीफऑफडिफेंस स्टाफ(सीडीएस) अनिल चौहान ने उत्तराखंड के देहरादून में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा, 'नेहरू को शायद इस बात की जानकारी थी कि पूर्वोत्तर भारत में मैकमोहन लाइन जैसी कोई चीज अस्तित्व में है। शायद इसी कारण उन्होंने पंचशील समझौता करने का फैसला लिया। चीन को लेकर आजाद भारत की पहली सरकार की नीतियों का जिक्र होने पर जनरल चौहान ने कहा कि साल 1954 में तिब्बत को चीन के हिस्से के रूप में मान्यता दी और दोनों पड़ोसी देशों ने पंचशील समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसे भारत ने औपचारिक संधि के माध्यम से उत्तरी सीमा पर हुए विवाद के स्थायी समाधान की तरह देखा। जनरल चौहान ने कहा, चीन का रूख भारत से अलग था। उनका मानना था कि यह समझौता केवल व्यापार के लिए किया गया था और इसे भारत से लगने वाली सीमा को लेकर चीन का रूख नहीं माना जा सकता है।

पंजाब पुलिस का ऑपरेशन प्रहार 2.0, अब तक 1,600 से ज्यादा गिरफ्तारियां

चंडीगढ़। पंजाब में अपराध और नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पंजाब पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार 2.0 के तहत राज्यभर में एक बड़ा अभियान शुरू किया है। इस ऑपरेशन के तहत अब तक 1,600 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस के मुताबिक, यह अभियान पूरी तरह इंटेलिजेंस इनपुट पर आधारित है और इसे सभी जिलों में एक साथ, वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में अंजाम दिया जा रहा है। करीब 12 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों को मैदान में उतारा गया है, जिन्होंने अलग-अलग इलाकों में एक साथ दबिश दी। जानकारी के अनुसार, अब तक 2,706 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की गई है।

किसान संघ के नेताओं से की अचानक मुलाकात

राहुल गांधी ट्रेड डील के खिलाफ बड़े आंदोलन की तैयारी में... ?

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत और अमेरिका के बीच हुए हालिया व्यापार समझौते पर कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी केंद्र की मोदी सरकार पर हमलावर हैं। वो लगातार आरोप लगा रहे हैं कि ट्रेड डील किसानों की रोजी-रोटी छीनेगा और देश की खाद्य सुरक्षा को कमजोर करने वाला है। राहुल गांधी ने लोकसभा में व्यापार समझौते को किसान विरोधी बताया है। इस कड़ी में अब शुक्रवार (13 फरवरी) राहुल गांधी ने किसान संघों के नेताओं से मुलाकात की। राहुल गांधी ने शुक्रवार को संसद भवन परिसर में

देश भर के किसान संघों के नेताओं से मुलाकात की, जिसमें भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते का विरोध करने के लिए राष्ट्रव्यापी आंदोलन की आवश्यकता के साथ-साथ किसानों और कृषि मजदूरों की आजीविका की रक्षा करने पर चर्चा की गई। कांग्रेस ने बताया कि बैठक के दौरान किसान संघ के नेताओं ने अपना विरोध जताया और मक्का, सोयाबीन, कपास, फ्लैक्स और मेवे उगाने वाले किसानों की आजीविका के लिए अपनी गहरी चिंता व्यक्त की। पार्टी ने कहा गया है कि किसान नेताओं और राहुल गांधी ने इस समझौते का विरोध करने और किसानों-कृषि मजदूरों की आजीविका की रक्षा करने के लिए एक बड़े पैमाने पर राष्ट्रीय आंदोलन की जरूरत पर चर्चा की। बता दें कि राहुल गांधी से मिलने वाले किसान नेताओं में अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के प्रमुख सुखपाल एस खैरा, भारतीय किसान मजदूर यूनियन, हरियाणा के अशोक बलहारा।

सेवा तीर्थ से नई शुरुआत-पीएम मोदी ने संभाला नया कार्यालय

मोदी ने पहले दिन किसानों और महिलाओं के लिए किए बड़े फैसले

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को औपनिवेशिक दौर की पहचान रहे साउथ ब्लॉक से अपने नए कार्यालय 'सेवा तीर्थ' परिसर में कार्यभार संभाल लिया। यह दिन खास भी रहा, क्योंकि 13 फरवरी को ही वर्ष 1931 में नई दिल्ली को औपचारिक रूप से आधुनिक भारत की राजधानी के रूप में उद्घाटित किया गया था। प्रधानमंत्री ने सेवा तीर्थ परिसर पहुंचकर नए कार्यालय का उद्घाटन किया। इस परिसर में प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO), कैबिनेट सचिवालय और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय को एक ही स्थान पर समाहित किया गया है। प्रधानमंत्री ने परिसर में स्थापित भगवान गणेश की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। सेवा तीर्थ की दीवार पर देवनागरी में इसका नाम अंकित है और नीचे 'नागरिक देवो भव' का मंत्र लिखा गया है, जो नागरिक-केंद्रित शासन की भावना को दर्शाता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। नए कार्यालय से काम शुरू करते ही प्रधानमंत्री ने कई अहम फैसलों पर हस्ताक्षर किए। इनमें 'पीएम राहत योजना' की शुरुआत शामिल है। इस योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को 1.5 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि समय पर उपचार के अभाव में किसी की जान न जाए। सरकार पहले ही तीन करोड़ 'लखपति दीदी' का लक्ष्य हासिल कर चुकी है, जो निर्धारित

समयसीमा से एक वर्ष पहले पूरा हुआ। अब प्रधानमंत्री ने मार्च 2029 तक इस संख्या को बढ़ाकर छह करोड़ करने का नया लक्ष्य तय किया है। यह कदम महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। कृषि क्षेत्र को मजबूती देने के लिए 'कृषि अवसंरचना कोष' को बढ़ाकर दो लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है। इससे कृषि मूल्य श्रृंखला को सुदृढ़ करने और किसानों को बेहतर भंडारण व प्रसंस्करण सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। नवाचार और उभरती तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए 'स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0' को 10,000 करोड़ रुपये के कोष के साथ मंजूरी दी गई है। इसका उद्देश्य डीप टेक, एडवांस मैन्युफैक्चरिंग और शुरुआती चरण के नवाचारों को वित्तीय सहयोग देना है। प्रधानमंत्री कार्यालय अब सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना के तहत नवनिर्मित परिसर 'सेवा तीर्थ' में शिफ्ट होगा। करीब 1,189 करोड़ रुपये की लागत से विकसित यह परिसर 2,26,203 वर्ग फुट के विशाल क्षेत्र में फैला हुआ है। इसका निर्माण दिग्गज इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी लार्सन एंड टुब्रो द्वारा किया गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय के खाली होने के बाद साउथ ब्लॉक और उसके साथ वाले नॉर्थ ब्लॉक को सुरक्षित रखने की एक बड़ी योजना है।

आधुनिक सुविधाएं और कम होगी ट्रैफिक की समस्या

विजय चौक के नजदीक बना यह नया कार्यालय अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। वैसे तो कैबिनेट की बैठकें प्राय: प्रधानमंत्री आवास (7 लोक कल्याण मार्ग) पर होती आई हैं, लेकिन नए 'सेवा तीर्थ' परिसर में विशेष रूप से एक कैबिनेट हॉल तैयार किया गया है। इसी परिसर के पास नया प्रधानमंत्री आवास भी बनाया जा रहा है, जो संसद भवन के काफी करीब है। इस पूरी शिफ्टिंग का एक मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री के मूवमेंट को सुगम बनाना और उनके आवागमन के दौरान आम जनता को होने वाली ट्रैफिक संबंधी परेशानियों को कम करना है।

कृषि संवर्गीय विभागों की समीक्षा बैठक : खरीफ तैयारी, खाद-बीज उपलब्धता एवं योजनाओं की प्रगति पर कलेक्टर ने दिए निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बीते शुक्रवार को कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई की अध्यक्षता में जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कृषि संवर्गीय विभागों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि एवं उससे संबद्ध विभागों द्वारा संचालित केंद्र एवं राज्य पोषित योजनाओं की प्रगति, लक्ष्य पूर्ति, हितग्राही लाभ वितरण तथा जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की स्थिति का विभागवार परीक्षण किया गया।बैठक के दौरान कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जिले में किसानों को समय पर योजनाओं का लाभ मिले, इसके लिए सभी विभाग समन्वय स्थापित कर कार्य करें। विशेष रूप से आगामी खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए खाद, बीज एवं उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सहकारी समितियों एवं अधिकृत विक्रेताओं के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण बीज और उर्वरक समय पर उपलब्ध कराए जाएं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। बैठक में कृषि उत्पादन बढ़ाने, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने तथा दलहन, तिलहन एवं उद्यानिकी फसलों के विस्तार पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर महोदया ने कहा कि बदलती जलवायु परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए किसानों को उन्नत तकनीक, आधुनिक कृषि यंत्रों तथा जल संरक्षण आधारित खेती की ओर प्रेरित किया जाए। इसके लिए कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन नियमित रूप से किए जाने के निर्देश दिए गए। पशुपालन, उद्यानिकी एवं मत्स्य पालन विभागों की गतिविधियों की भी समीक्षा की गई। पशुधन टीकाकरण, दुग्ध उत्पादन वृद्धि, उद्यानिकी मिशन अंतर्गत पौधारोपण, ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई योजनाओं तथा मत्स्य बीज वितरण की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई। कलेक्टर महोदया ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जाए तथा प्रगति रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत की जाए।बैठक में उप संचालक कृषि मोरध्वज डडसेना, उप संचालक पशु चिकित्सा राजेन्द्र भगत, सहायक संचालक उद्यान, सहायक संचालक मछली पालन, वरिष्ठ वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने विभागीय गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की तथा आगामी कार्ययोजना से अवगत कराया। अंत में कलेक्टर महोदया ने सभी विभागों को लक्ष्य आधारित कार्यप्रणाली अपनाने, मैदानी भ्रमण बढ़ाने तथा किसानों के साथ नियमित संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि जिले में कृषि एवं कृषि आधारित गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाया जा सके।

मोदकपाल इलाके में सुरक्षा बलों की कार्रवाई, छह माओवादी स्मारक ध्वस्त

पंगुड़ गांव में चलित थाना लगाकर सुनी गई ग्रामीणों की समस्याएं, साइबर ठगी से बचाव की दी जानकारी

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। थाना मोदकपाल क्षेत्र के ग्राम पंगुड़ में सुरक्षा बलों ने अभियान चलाकर माओवादियों के छह स्मारकों को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई थाना मोदकपाल पुलिस और सीआरपीएफ की बी/62 वाहिनी की संयुक्त टीम ने की।अभियान के दौरान गांव में चलित थाना भी लगाया गया, जहां पुलिस ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी शिकायतें सुनीं और समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया। पुलिस ने कहा कि ऐसे प्रयासों से पुलिस और ग्रामीणों के बीच विश्वास मजबूत होता है।साथ ही साइबर जागरूकता अभियान के तहत ग्रामीणों को ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल, ओटीपी ठगी और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई।मोदकपाल थाना टीआई आकाश मसीह ने बताया कि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की समस्याएं सुनना और उनका त्वरित समाधान करना भी पुलिस की प्राथमिकता है, ताकि आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा बना रहे। कार्रवाई के दौरान गांव में उत्साह का माहौल रहा। ग्रामीणों ने ÷भारत माता की जय÷ के नारे लगाकर सुरक्षा बलों का हौसला बढ़ाया। पुलिस के अनुसार, यह कदम इलाके में शांति और सुरक्षा को और मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के पहली यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड प्राप्त छात्रा साक्षी जायसवाल को शिक्षा मंत्री ने सम्मानित किया

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के पहली युवा यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड प्राप्त छात्रा साक्षी जायसवाल जिसके पिता जिले के ही डी ए वी स्कूल जांता के प्राचार्य पद पर पदस्थ हैं। सुपुत्री साक्षी जायसवाल छत्तीसगढ़ के पहली बालिका बॉल वैज्ञानिक हैं जिन्होने अब तक अनेक अवॉर्ड प्राप्त कर चूंकि हैं, अब तक उन्हें भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय पी एम ओ , तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री,बिहार के मंत्री, उत्तर प्रदेश के मंत्री, व दिल्ली के मंत्री व चेन्नई के राज्य पाल ने चेन्नई के राजभवन में सर्टिफिक्रेट ,मोमेंटो से सम्मानित हो चुकी हैं। . नेशनल स्पेश डे, के उपलक्ष्य में छत्तीसगढ़ से मात्र एक बालिका वैज्ञानिक छात्रा साक्षी जायसवाल यंग साइंटिस्ट इंडिया के ग्रैंड फिनाले में भाग लेकर, 23 अगस्त 2023 एवं 23 अगस्त 2024 एवं 23 अगस्त 2025 के लगातार तीन वर्ष तक चयनित होकर, बतौर बाल वैज्ञानिक बनकर पहुँची थी जिन्हें चेन्नई के राज भवन में प्रधानमंत्री जी के सलाहकार एवं चेन्नई के राज्यपाल टी एन रवि जी ने पहले बालिका युवा वैज्ञानिक से सम्मानित किए हैं। एवं लेफ्टिनेंट जनरल बी एस खण्डारे दिल्ली, रूसी व कजाकिस्तानी के अंतरिक्ष यात्री, नासा व इसरो सहित देश व विदेश से आये अनेक वैज्ञानिकों ने साक्षी जायसवाल को यंग साइंटिस्ट इंडिया अवॉर्ड से सम्मानित कर चुके हैं।. शीर्षकः प्रकाश का उपयोग करके डेटा स्थानांतरण हेतु वायरलेस संचार तकनीक का आविष्कार करने वाले भारत कर पहले कम उम्र के बालिका बाल वैज्ञानिक का वर्ड रिकॉर्ड गोलडन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाई हूँ मैं 12 वर्ष 19 दिन मात्र। अखिल भारतीय कलाल, कलवार, कलार महासभा नई दिल्ली द्वारा कलचुरी गौरव रत्न 2025 से अलंकृत किया गया हैं।माननीय शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव जी ने साक्षी जायसवाल को अपने कर कमलों से गोल्ड मैडल व युवा वैज्ञानिक गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड सर्टिफिक्रेट से साक्षी को सम्मानित किए हैं , शिक्षा मंत्री जी ने साक्षी छत्तीसगढ़ के पहली बालिका बाल वैज्ञानिक बनने पर उन्हें बधाई देते हुए शुभकामनाएं दिए हैं, साक्षी ने गोल्डन बुल ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड महज 12 वर्ष 19 दिन में यह रिकॉर्ड बनाई है, मंत्री ने साक्षी के सराहना किए साक्षी जायसवाल ऐसे बालिका बाल वैज्ञानिक है उनसे प्रेरणा लेकर हमारे अन्य बच्चे भी वैज्ञानिक प्रतिभा को निखार पाएंगे साक्षी जायसवाल वैज्ञानिक बेटी ने निश्चित ही बेमेतरा जिले के साथ -साथ हमारे छत्तीसगढ़ राज्य व देश का नाम भी नाम रौशन कर रही हैं। साक्षी जायसवाल 12 वर्ष व पियुष जायसवाल 13 वर्ष सगे भाई बहनों ने गोल्डन बुक ऑफ इंडिया वर्ल्ड रिकार्ड बनाकर इतिहास रचचुके हैं।ढ्ढबड़े भाई डॉ पियुष जायसवाल भी कम नही उन्होंने भी अनेक उपलब्धियां हाशिल कर चुके हैं। पुस्तक - फूलफील ऑफ कॉसमॉस, लेखक व ऑथर मात्र 12 वर्ष, कक्षा 7वी में कवि,लेखक ऑर्थर के साथ गोल्डन ऑफ़ इंडिया में वर्ल्ड रिकॉर्ड में मात्र उम् 13 वर्ष नाम दर्च करा चुके हैं, अनुसंधान रिसर्च- वेग रहस्य (ड्ढद्दद्यश्च्छ्ठह्ल4 स्4द्यह्लद्गह्म्4) मात्र 13 वर्ष उम्र में, कक्षा 8वी में शोध में विषय - खगोल विज्ञान अंतरिक्ष विज्ञान को लेकर। अन्य उपलब्धियां - गोल्डन बुक ऑफ इंडिया वर्ल्ड रिकॉर्ड्स एस्ट्रोफिजिक्स में, सबसे कम उम्र के वैज्ञानिक व मात्र 13 वर्ष में सबसे कम उम्र में अल्बर्ट आइंस्टीन के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए, डॉ के उपाधि सबसे कम उम्र में पी एच डी करने वाले छात्र हैं। जिन्हें छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अभी हाल ही में छत्तीसगढ़ युवा रत्न सम्मान से सम्मानित किए है व देश के प्रधानमंत्री से भेंट मुलाकात कर सम्मानित करवाएंगे यह भी भरोसा दिलाए हैं। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री भी बच्चों से बहुत प्यार करते हैं खास कर वैज्ञानिक प्रतिभा वाले बच्चों से मिलकर खुश होते हैं.ये दोनों वैज्ञानिक बच्चों का हार्दिक इच्छा कें उन्हें प्रधानमंत्री मिलकर आशीर्वाद प्राप्त करना है । अब देखना होगा कि प्रधानमंत्री जी वैज्ञानिक प्रतिभा वाले इन बाल वैज्ञानिकों को कब मुलाकात कर सम्मानित करेंगें?

जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला 2026ः अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का हुआ आयोजन

हास्य व्यंग, ओज, श्रृंगार रस ने लोगो को कर दिया भाव विभूर

जांजगीर-चांपा /मूक पत्रिका

जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला 2026 का आयोजन 11 से 13 फरवरी तक जिले के हाईस्कूल मैदान जांजगीर एवं कृषि विज्ञान केन्द्र जर्वे, जांजगीर में आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में 12 फरवरी को हाई स्कूल मैदान अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कवि सम्मेलन में सभी कवियों ने अपने प्रसिद्ध गीत, कविताओं से सभी श्रोता गणों का दिल जीत लिया। कार्यक्रम में कवियों के द्वारा की गई ओजस्वी प्रस्तुति ने लोगो बांधे रखा। हास्य व्यंग, ओज, श्रृंगार रस एवं गीत ने लोगो को भाव विभूर कर दिया। अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में शशिकांत यादव (मध्य प्रदेश), डॉ. आदित्य जैन (राजस्थान), गौरव चौहान (उत्तरप्रदेश), अमित शुक्ला (मध्य प्रदेश), प्रीति पाण्डेय (उत्तर प्रदेश), अभिषेक पाण्डेय (छत्तीसगढ़), मीर अली मीर, (छत्तीसगढ़) एवं बंशीधर मिश्रा (छत्तीसगढ़) द्वारा कविता पाठ किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में श्रोतागण उपस्थित थे।

रक्षा सेनाओं में भर्ती होकर देश सेवा के इच्छुक प्रदेश के युवाओं के लिए भारतीय सेना ने एक सुनहरा अवसर प्रदान किया

बेमेतरा/मूक पत्रिका

रक्षा सेनाओं में भर्ती होकर देश सेवा के इच्छुक प्रदेश के युवाओं के लिए भारतीय सेना ने एक सुनहरा अवसर प्रदान किया है। भारतीय सेना की अग्निपथ योजना अंतर्गत अग्निवीरों के विभिन्न कैडर, जिनमें अग्निवीर जनरल ड्यूटी, तकनीकी एवं ट्रेड्समैन हेतु ऑनलाइन आवेदन भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in के माध्यम से आमंत्रित किए गए है। पदों के लिए आयु सीमा 17.5 वर्ष से 22 वर्ष निर्धारित है, अग्निवीर जनरल ड्यूटी के लिए योग्यता कक्षा 10वीं , तकनीकी के लिए गणित विज्ञान विषय सहित कक्षा 12वीं एवं ट्रेड्समैन के लिए 8वीं और 10वीं निर्धारित की गई है। प्रदेश के युवाओं के लिए उपरोक्त भर्ती परीक्षा का आयोजन सेना भर्ती कार्यालय, रायपुर के द्वारा किया जाएगा। आधिकारिक वेबसाइट में ऑनलाइन आवेदन हेतु पंजीयन प्रारंभ होने की तिथि 13/02/2026 से 01 /04/2026 तक है जिसके लिए परीक्षा का आयोजन 01जून से 15 जून 2026 के मध्य आयोजित किया जाएगा। उम्मीदवारों को सुझाव दिया जाता है, कि विस्तृत जानकारी के लिए भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट www.joinindianarmy.nic पर लॉगिन कर अध्ययन करें। उपरोक्त जानकारी बेमेतरा जिला मुख्यालय स्थित लक्ष्य फाउंडेशन के संस्थापक पवन वर्मा एवं अध्यक्ष सूबेदार हरीश अवस्थी (सेवानिवृत्त) भारतीय सेना के द्वारा यह जानकारी दी गई।

महिला आईटीआई में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कांकेर /मूक पत्रिका

जिले में साइबर अपराधों की रोकथाम एवं युवाओं को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) कांकेर में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक कांकेर निखिल राखेचा के निर्देशन में संपन्न हुआ।कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को ऑनलाइन ठगी, फिशिंग, ओटीपी फ्रॉड, सोशल मीडिया हैकिंग, फर्जी लॉटरी एवं जॉब ऑफर, यूपीआई फ्रॉड तथा बैंकिंग धोखाधड़ी जैसे साइबर अपराधों के विभिन्न तरीकों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। डिजिटल प्लेटफॉर्म का सुरक्षित उपयोग करने, मजबूत पासवर्ड रखने, किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करने तथा अपनी व्यक्तिगत एवं बैंक संबंधी जानकारी साझा न करने की समझाइश दी गई। अधिकारियों ने बताया कि साइबर ठगी की स्थिति में तुरंत राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें या पोर्टल पर शिकायत दर्ज httpsÑ//cybercrime.gov.in कराएं। कार्यक्रम में डिजिटल साक्षरता, सुरक्षित इंटरनेट उपयोग एवं सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। ब्क्ष्ड्ड के माध्यम से व्यावहारिक उदाहरण प्रस्तुत कर छात्राओं को जागरूक किया गया।कांकेर पुलिस द्वारा आमजन से अपील की गई है कि ऑनलाइन लेनदेन के दौरान सतर्कता बरतें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें।कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीमाल , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, योगेश साहू, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ए पी एस कांकेर के मार्गदर्शन में गिरजा शंकर साव सहित साइबर सेल की टीम एवं संस्था का स्टाफ उपस्थित रहा।

जिला शिक्षा अधिकारी का कोंटा क्षेत्र के विद्यालयों में आकस्मिक निरीक्षण, गुणवत्ता सुधार पर विशेष जोर

कोंटा /मूक पत्रिका

जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा विकासखंड कोंटा अंतर्गत विभिन्न शालाओं एवं संकुल केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान हाई स्कूल भेजी, प्राथमिक शाला भेजी (संकुल केंद्र भेजी), प्राथमिक शाला बोदराजपदार, प्राथमिक शाला वांकापारा (गच्तनपल्ली), संकुल केंद्र बुर्का लंका, प्राथमिक शाला डब्बाकोंटा, प्राथमिक शाला कोलाईगुड़ा, प्राथमिक शाला एलाडमडगु (संकुल केंद्र डब्बाकोंटा), प्राथमिक शाला गोरख, माध्यमिक शाला गोरख तथा अंत में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय कोंटा का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी ने कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया और उनके शैक्षणिक स्तर का आकलन किया। गणित, हिंदी एवं अंग्रेजी विषयों में विद्यार्थियों की आधारभूत दक्षताओं की जांच की गई। इसके साथ ही विद्यालयों की उपस्थिति पंजी, नामांकन स्थिति, मध्यान्ह भोजन योजना, स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल एवं शौचालय की स्थिति का भी बारीकी से अवलोकन किया गया।संकुल केंद्रों में शैक्षणिक मॉनिटरिंग व्यवस्था, शिक्षकों की नियमित उपस्थिति तथा विद्यार्थियों के अधिगम स्तर की सतत समीक्षा पर विशेष जोर दिया गया। जिन विद्यालयों में कमियां पाई गई, वहां आवश्यक सुधार के निर्देश देते हुए समयबद्ध प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय कोंटा में उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं, स्मार्ट कक्षाओं एवं नवीन शिक्षण पद्धति का अवलोकन करते हुए विद्यार्थियों को संसाधनों का समुचित उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा, ÷शिक्षा की गुणवत्ता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रत्येक विद्यालय में अनुशासन, नियमित पठन-पाठन और विद्यार्थियों के समग्र विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

÷आकस्मिक निरीक्षण से विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों में और अधिक सक्रियता तथा गुणवत्ता सुधार की अपेक्षा व्यक्त की जा रही है।

फिर भी अर्जुन पेड़ कटाई परिवहन का खेल जारी, लगभाग 1 हज़ार अर्जुन पेड़ के लट्ठों पर हुई जप्ती की कार्यवाही

खबर का हुआ बड़ा असर : जैजैपुर और तुषार आरामिल को किया गया सील

सक्ति जिले में वन पर्यावरण संरक्षण का बना मज़ाक़, ज़िम्मेदार अधिकारी बने तमाशबीन, जिले में प्रतिदिन लाखों टन अर्जुन पेड़ों का कटाई परिवहन एवं आरामिलों पर चिराई

वन विभाग और पर्यावरण संरक्षण विभाग का हो रहा किरकिरी

सक्ती/मूक पत्रिका

सक्ती/मूक पत्रिका

जिले के जैजैपुर व तुषार के आरामिल में अवैध तरीके भारी मात्रा में अर्जुन पेड़ों की कटाई कर भंडारण का मामला सामने आया था। जहाँ लाखों टन छत्तीसगढ़ के लाला चंदन कहे जाने अर्जुन पेड़ों को काट कर लावारिसों के तरह अपने आरामिलों पर चिराई कर कुछ लोगों के द्वारा बेख़ौफ़लाखों का कारोबार कर प्रशासनिक अमलों को ठेंगा दिखाने का कार्य किया जा रहा है। जिसे लेकर पत्रकारों ने अपने समाचार पत्रों में प्रमुखता से खबर को प्रकाशित कर जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत कराया गया। तत्पश्चात वनमण्डलाधिकारी के मार्गदर्शन में सक्ती वन परिक्षेत्र एवं उड़नदस्ता की संयुक्त टिम ने कार्रवाई करते हुए जैजैपुर क्षेत्र के दो आरा मिल सीलबंद कर वन संरक्षण एवं अवैध लकड़ी परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से वन विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई की गई। वनमण्डलाधिकारी के मार्गदर्शन में सक्ती वन परिक्षेत्र की टीम एवं उड़नदस्ता दल ने संयुक्त रूप से जैजैपुर क्सहित तुषार में संचालित आरामिलों पर छापामार कार्रवाई करते हुए दो आरा मिलों को सीलबंद कर दिया। वन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार हलेश्वर कुमार साहू, तुषार तथा गोपाल प्रसाद चंद्रा जैजैपुर द्वारा संचालित आरा मिलों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आवश्यक अभिलेखों एवं वैधानिक प्रावधानों की जांच की गई। जांच उपरांत अनियमितताएं पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए। संबंधित आरा मिलों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। वन विभाग की इस कार्रवाई से अवैध कटाई एवं लकड़ी के अवैध परिवहन पर अंकुश लगाने में सहायता मिलेगी। विभागीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि वन अपराधों के विरुद्ध आगे भी सतत अभियान जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। वन विभाग ने सभी आरा मिल संचालकों से अपील की है कि वे शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं शर्तों का पालन सुनिश्चित करें, अन्यथा विधिसम्मत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

इनका कहना :-

एसडीओ साहू वन विभाग सक्ती

लगभाग दोनों आरामिलों से 1000 लट्ठों के आसपास अर्जुन पेड़ों का जप्ती प्रकरण बनाया जाएगा। फिर डीईएफओ के पास राजसात की कार्यवाही होगी।

बरगांव में गूंजा 'मनरेगा बचाव संग्राम', जन चौपाल में ग्रामीणों ने लिया अधिकारों की रक्षा का संकल्प

बेमेतरा/मूक पत्रिका

सरिया ब्लॉक के ग्राम पंचायत बरगांव में मनरेगा बचाव संग्राम के तहत जन चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए और रोजगार गारंटी योजना से जुड़े अपने अधिकारों को लेकर जागरूकता दिखाई।जन चौपाल को संबोधित करते हुए ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष उग्रसेन साहू ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मनरेगा सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि गरीब, मजदूर, किसान और महिलाओं की आजीविका की गारंटी है। गांवों में रोजगार और सम्मान देने वाली इस योजना के बजट में कटौती कर गरीबों के हितों को कमजोर किया जा रहा है।

प्रदेश प्रतिनिधि शरद यादव ने ग्रामीणों को विस्तार से मनरेगा की उपयोगिता समझाई। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से गांवों में तालाब, सड़क, नाली, खेत-तालाब और मेड़बंदी जैसे स्थायी कार्य हुए हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। मनरेगा ने पलायन रोकने में बड़ी भूमिका निभाई है और गांव में ही रोजगार उपलब्ध कराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान नीतियों के कारण मजदूरों को समय पर काम और मजदूरी नहीं मिल पा रही है, जो चिंताजनक है। कांग्रेस पार्टी मनरेगा को कमजोर नहीं होने देगी और इसके अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी।

पूर्व विधायक प्रकाश नायक ने भी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि रोजगार गारंटी योजना गरीब, मजदूर और किसानों के लिए जीवनरेखा है। उन्होंने ग्रामीणों से संगठित होकर अपने अधिकारों की रक्षा के लिए आगे आने की अपील की।

कार्यक्रम में बीडीसी युवराज चौधरी, मानस साहू और ललित डनसेना ने भी अपने विचार रखे और मनरेगा बचाव के समर्थन में आवाज बुलंद की। मंच संचालन उग्रसेन साहू ने किया।

जन चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने एक स्वर में मनरेगा को कमजोर करने की किसी भी कोशिश का विरोध करने और अपने अधिकारों के लिए संगठित होकर आंदोलन तेज करने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में पूर्व विधायक प्रकाश नायक, प्रदेश प्रतिनिधि शरद यादव, ब्लॉक अध्यक्ष उग्रसेन साहू, बीडीसी युवराज चौधरी, मंडल अध्यक्ष अगनू पटेल, प्रकाश पुरोहित, खेमराज नायक, रूप पटेल, जयप्रकाश साहू, संजय प्रधान, नरेंद्र डनसेना, तफ्सीर, मानस साहू, बासु पटेल, खुशीराम, संजय बारीक, उपेंद्र, खीरों, प्रेम साहू, दुर्गेश, भुवन विजय, मधुर लाल, गुलशन, भवानी, घसिया, जयलाल, पलटन, श्यामलाल, मधुर, शकराजीत, रामगोपाल, प्रमोद यादव, अनिल, सुरेश, ईश्वर साहू, लोकेश, रविचंद्र पटेल, बावा, बल्लभ, आश्वसन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

ताड़पाला पहाड़ी में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, विस्फोटक और नक्सली सामग्री बरामद

13 आईईडी डिफ्यूज, माओवादी स्मारक भी गिराया गया

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। जिले में एन्टी नक्सल अभियान के तहत उसूर थाना क्षेत्र के ताड़पाला पहाड़ी इलाके में सुरक्षा बलों ने सर्च ऑपरेशन चलाकर बड़ी मात्रा में विस्फोटक और नक्सली सामग्री बरामद की है। यह कार्रवाई केरिपु 196 वाहिनी और कोबरा 204 की संयुक्त टीम ने की।तलाशी के दौरान जवानों को दो अलग-अलग जगहों पर जमीन के भीतर प्लास्टिक ड्रम और पॉलिथिन में छिपाकर रखी गई सामग्री मिली। बरामद सामान में 13 डेटोनेटर, करीब 11 किलो गन पाउडर, चार प्लास्टिक ड्रम, दो स्टील ड्रम और दो लोहे के ड्रम शामिल हैं। साथ ही माओवादी वर्दी, जूते, कैप, डोरी, यूएसबी केबल, सोलर प्लेट और अन्य उपयोगी सामान भी जब्त किया गया।एरिया डॉमिनेशन और डिमाइनिंग के दौरान जवानों ने जमीन में लगाए गए 13 बीयर बोतल आईईडी और लोहे के पाइप में तैयार एक डायरेक्शनल आईईडी बरामद किया। सभी विस्फोटकों को मौके पर ही डिफ्यूज कर दिया गया। अभियान के दौरान टेकमेटला कुंजामपारा इलाके में बनाया गया माओवादी स्मारक भी सुरक्षा बलों ने ध्वस्त कर दिया।

गोमर्डा अभ्यारण्य में अवैध पत्थर परिवहन पर कार्रवाई, जिला पंचायत सदस्य का ट्रैक्टर जब्त.

.सारंगढ़-बिलाईगढ़// गोमर्डा अभ्यारण्य के जंगल क्षेत्र में अवैध पत्थर खनन और परिवहन का मामला सामने आया है। वन विभाग की टीम ने गुरुवार तड़के छापामार कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर को जब्त किया। बताया जा रहा है कि यह ट्रैक्टर जिला पंचायत सदस्य हरिहर जायसवाल का है।

मुखबिर की सूचना पर तड़के कार्रवाइ

-वन मंडलाधिकारी को सूचना मिली थी कि चांटीपाली बीट के पीएफ कक्ष क्रमांक 943 में जंगली पत्थर निकालकर ट्रैक्टर से बाहर ले जाने की तैयारी की जा रही है। सूचना के आधार पर सुबह करीब 5 बजे एसडीओ अंकित पाण्डेय के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची। वहां ट्रैक्टर क्रमांक छत्त 13 ॥ 3414 पत्थर से भरा मिला।चालक से पूछताछ में पता चला कि ट्रैक्टर ग्राम झिलगीटार निवासी हरिहर जायसवाल का है। हरिहर जायसवाल जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 8 से निर्वाचित सदस्य हैं और जिला पंचायत में सहकारिता एवं उद्योग विभाग के सभापति भी बताए जा रहे हैं।कार्रवाई में एसडीओ अंकित पाण्डेय के साथ रेंजर हीरालाल सरजाल, डिप्टी रेंजर मिलन राम भगत, टेकराम सिदार, राजेश मरकाम, वन रक्षक हीरालाल चौधरी, प्रफुल्ल हरवंश सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

संरक्षित क्षेत्र में खनन पूरी तरह प्रतिबंधित-

गोमर्डा अभ्यारण्य संरक्षित वन क्षेत्र है, जहां किसी भी प्रकार का उत्खनन और पत्थर परिवहन प्रतिबंधित है। ऐसे में जनप्रतिनिधि से जुड़े वाहन की जब्ती के बाद क्षेत्र में चर्चाएं तेज हो गई हैं।

डिप्टी रेंजर मिलन राम भगत ने बताया कि संबंधित ट्रैक्टर को झिलगीटार क्षेत्र के अंदर अवैध पत्थर परिवहन करते हुए पकड़ा गया है। उच्च अधिकारियों के निर्देश पर विधिवत कार्रवाई कर ट्रैक्टर जब्त कर लिया गया है।

लकड़ी तस्करी के भी आरोप

इसी बीच जंगल क्षेत्र में लकड़ी की अवैध तस्करी की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। हाल ही में ग्राम गिरहुलपाली में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली लकड़ी जब्त की गई थी। ग्रामीणों का आरोप है कि शाम होते ही साल्हेओना बस्ती से होकर मुख्य सड़क तक लकड़ी का अवैध परिवहन किया जाता है और इसे चंद्रपुर, सपोस व बड़े भंडार क्षेत्र के आरा मिलों में खपाया जाता है।

वन विभाग की इस कार्रवाई के बाद अब आगे की जांच और संभावित कार्रवाई पर सबकी नजर है।

डोंगरीपाली क्षेत्र में सेमल पेड़ों की अवैध कटाई वन, राजस्व विभाग मौन

सारंगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ बिलाईगढ़ जिले के डोंगरीपाली क्षेत्र में सेमल पेड़ की धड़ल्ले से अवैध कटाई चल रही।क्षेत्र के ग्राम डोंगरीपाली, कोकबहाल, कदलिसरार,लेन्द्रजोरी,गिन्डोला, जामदलखा, जीरापाली, पतेरापाली, अमापाली ,जोगनीपाली, कालाखुटा ,झाल,लीमपाली बनवासपाली एवं कई गांवों में सेमल पेड़ की अवैध रूप से कटाई कर भंडारण किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। स्थानीय ग्रामीणों और सूत्रों के अनुसार, सैकड़ों ट्रैक्टर लकड़ी काटकर कंम्पनी में लंबे समय से भेजा जा रही है, लेकिन जिम्मेदार विभाग द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि यह अवैध कारोबार बिना विभागीय मिलीभगत के संभव नहीं है।स्थानीय निवासियों के मुताबिक, दिन-रात ट्रैक्टरों से लकड़ी का परिवहन किया जा रहा है, लेकिन संबंधित अधिकारियों की ओर से आंख मूंदे रहने की शिकायतें सामने आ रही हैं। इससे न केवल शासन को भारी राजस्व हानि हो रही है, बल्कि पर्यावरण संतुलन पर भी गंभीर खतरा मंडरा रहा है।अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले में कितनी तत्परता दिखाता है और क्या अवैध कटाई में संलिप्त लोगों पर प्रभावी कार्रवाई हो पाती है या नहीं।

जल संरक्षण को बढ़ावाः कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने मनरेगा के तहत तालाब गहरीकरण, डबरी निर्माण और चेकडेम का निरीक्षण किया

मनरेगा के सभी निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण हो और जल संरक्षण को प्राथमिकता दी जाए : कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे

कलेक्टर ने मनरेगा के निर्माण कार्यों का किया अवलोकन

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने सारंगढ़ ब्लॉक के विभिन्न ग्राम पंचायतों में मनरेगा के तहत चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, उपयोगिता और हितग्राहियों को मिल रहे लाभ की प्रत्यक्ष जानकारी ली। इस दौरान कलेक्टर ने ग्राम पंचायत हिर्री में चल रहे डबरी निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। यहां हितग्राही कमला भारद्वाज द्वारा डबरी का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि डबरी निर्माण पूर्ण होने के बाद वे इसमें मछली पालन का कार्य प्रारंभ करेंगी, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने डबरी का गहरीकरण कराने के निर्देश दिए, ताकि अधिक मात्रा में वर्षा जल संचयन हो सके। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि इसमें मछली बीज उत्पादन किया जाए तो लाभ और अधिक बढ़ सकता है। साथ ही हितग्राही को 'बिहान' समूह से जोड़ने के निर्देश भी दिए, जिससे उन्हें शासकीय योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके। कलेक्टर ने ग्राम पंचायत मल्दा (ब) का निरीक्षण किया। यहां 30ङ्क40 मॉडल के अंतर्गत बंजर भूमि को उपजाऊ बनाने और जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्य किया गया है। हितग्राही कमल प्रसाद बरिहा ने बताया कि मनरेगा के अंतर्गत एक एकड़ भूमि पर यह कार्य कराया गया है। पहले यह भूमि पूरी तरह बंजर थी, लेकिन अब जल संरक्षण कार्य के कारण इसमें पानी का ठहराव संभव हुआ है। वे इस भूमि पर नींबू की खेती करने की तैयारी कर रहे हैं, जिससे उन्हें स्थायी आजीविका का साधन मिलेगा। इसी प्रकार ग्रामीण अर्जुन यादव ने भी बताया कि पहले एक एकड़ जमीन अनुपयोगी थी, लेकिन मनरेगा के तहत कराए गए कार्यों से वर्षा जल संरक्षण संभव होगा और भूमि की उत्पादकता में सुधार आएगा कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने कहा कि मनरेगा के कार्यों की वास्तविक स्थिति जानने के लिए जमीनी स्तर पर निरीक्षण आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता पूर्ण हों तथा जल संरक्षण को प्राथमिकता दी जाए, ताकि बंजर भूमि को भी खेती योग्य बनाकर ग्रामीणों की आय बढ़ाई जा सके। जिले में मनरेगा के तहत हो रहे ये कार्य न केवल जल संरक्षण को बढ़ावा दे रहे हैं, बल्कि ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं।

मेड़ो में जनसमस्या निवारण शिविर, 58 आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई

कांकेर/मूक पत्रिका

दुर्गकोंदल विकासखंड के ग्राम मेड़ो में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों से संबंधित 58 आवेदन प्राप्त हुए। आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। शिविर में ग्रामीणों ने सड़क, पुल, आवास, राशन, पेंशन एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं रखीं। प्रशासन द्वारा त्वरित निराकरण का आश्वासन दिया गया। इस दौरान दुर्गकोंदल से कोयलीबेड़ा मार्ग में तीन उच्च स्तरीय पुलों की स्वीकृति की जानकारी दी गई, जिससे वर्षा ऋतु में भी सुगम एवं सुरक्षित आवागमन संभव होगा। इसके अलावा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि माओवाद प्रभावित क्षेत्र में विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है तथा आमजनों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष किरण नरेटी, कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर, जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी, प्रशिक्षु आईपीएस प्रतीक बनसोड़े, एडीएम भानुप्रतापपुर जीडी वाहिले, जिला पंचायत सदस्य देवेलाल नरेटी एवं देवेंद्र टेकाम, जनपद सदस्य हेमलता उईके तथा ग्राम सरपंच रश्मिला कोमरा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मकरीदरहा में पर्यटन को बढ़ावा देने चल रहे निर्माण कार्यों का डॉ. संजय कन्नौजे ने किया निरीक्षण

सफलता की कहानी : डीएमएफसे सीसी रोड का निर्माण, मकरी जलप्रपात का हो रहा कायाकल्प

आने जाने के सड़क निर्माण पूर्ण होने से मकरी दरहा जलप्रपात के पर्यटन को मिलेगी नई गति

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने जंगल मार्ग से पैदल पहुंचकर किया निरीक्षण

डॉ कन्नौजे के निर्देश, रुपरेखा और मॉनिटरिंग से कार्य हुआ सम्भव

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) की राशि से सारंगढ़ ब्लॉक के ग्राम पंचायत मकरी स्थित मकरी दरहा जलप्रपात में पहुंच मार्ग सीसी सड़क निर्माण कार्यों का कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने शुक्रवार को स्थल निरीक्षण किया। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे स्वयं पैदल चलकर जंगल के रास्ते से मकरी जलप्रपात पहुंचे और वहां चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष जोर देते हुए पॉलिथीन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए। साथ ही सरपंच को निर्देशित किया कि प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश के लिए नाका बनाया जाए तथा नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। ग्राम मकरी के सरपंच ने बताया कि शनिवार और रविवार को यहां पर्यटकों की संख्या अधिक रहती है। बरसात के मौसम में लगभग 50 फीट से अधिक ऊंचाई से गिरता झरना अत्यंत आकर्षक और मनोहारी दृश्य प्रस्तुत करता है, जिससे यह स्थल जिले का प्रमुख पर्यटन केंद्र बना रहता है।कलेक्टर ने सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए गेबियन वॉल निर्माण के भी निर्देश दिए गए, जिससे नुकीले पत्थरों को हटाकर रास्ता सुरक्षित बनाया जा सके और जलप्रपात तक पहुंचने में किसी प्रकार की समस्या न हो, इसके अतिरिक्त गाजीबो (बैठक शेड) निर्माण के निर्देश दिए गए, जिससे पर्यटकों को बैठने की सुविधा मिल सके और पर्यटक अपने परिवार के साथ बैठ कर यहां समय बिता सके। कलेक्टर ने कहा कि जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा यह एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे न केवल स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे, बल्कि प्रदेश व जिले के पर्यटकों को प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने के लिए बेहतर सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। उल्लेखनीय है कि बीते बरसात मौसम में कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने यहाँ पहुंचकर जायजा लिया था, जिसमें जलप्रपात तक पगडनडी पहुंच मार्ग अत्यंत कठिन था और केवल एक संकरा रास्ता उपलब्ध था। डॉ कन्नौजे के निर्देश, रुपरेखा और मॉनिटरिंग के कारण खनिज न्यास मद से लगभग 200 मीटर लंबी सीसी रोड का निर्माण कराया गया है, जो अब पूर्ण हो चुका है। इससे विशेषकर बरसात के समय आने वाले पर्यटकों को काफी सुविधा होगी। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ इंद्रजीत बर्मन, सारंगढ़ जनपद के अधिकारी, ग्राम पंचायत मकरी के सरपंच एवं मनरेगा विभाग के एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

असुरक्षित खदानें क्यों बन रही मजदूरों की क्रब

मेघालय में एक अवैध कोयला खदान में हुए विस्फोट में अठारह मजदूरों की मौत हो गई, एक गंभीर रूप से जख्मी मजदूर अस्पताल में भर्ती है और अंदेशा है कि कुछ अन्य मजदूर अभी भी खदान में फंसे हों। यह 'रैट होल' खदान है, जिसमें इतनी संकरी सुरंगें बनाकर खनन किया जाता है, जिनसे मजदूर रेंगकर ही घुस या निकल सकते हैं। ये खदानें पर्यावरण के लिए भी बहुत घातक हैं। इनकी असुरक्षित व अमानवीय परिस्थिति की वजह से ही सुप्रीम कोर्ट और ग्रीन ट्रिब्यूनल ने इनको प्रतिबंधित किया हुआ है, लेकिन पूर्वोत्तर भारत में ऐसी खदानें धड़ल्ले से चल रही हैं। अनुमान है कि सिर्फ मेघालय में लगभग 25,000 ऐसी गैर-कानूनी खदानें चल रही हैं। जाहिर है, इतने बडे पैमाने पर यह अवैध काम बिना प्रशासनिक मिलीभगत और भ्रष्टाचार के संभव नहीं है। इसके पहले मेघालय में ही 2018 में बड़ी दुर्घटना हुई थी, जिसमें पंद्रह मजदूर मारे गए थे। बहुत संभव है कि और भी दुर्घटनाएं इन खदानों में होती हों, जिनकी खबर तक बाहर नहीं आ पाती हो। ऐसा नहीं है कि प्रशासनिक नेकनीयती व सख्ती से ऐसे गैर-कानूनी और अमानवीय कारोबार पर रोक नहीं लगाई जा सकती, लेकिन प्रशासनिक तंत्र में भ्रष्टाचार का जाल इतना मजबूत है कि उसके आगे तमाम कानून और आदेश व्यर्थ हो जाते हैं। देश में कई बार भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन हुए, कुछेक बार इन आंदोलनों की वजह से सरकारें भी बदलीं, लेकिन भ्रष्टाचार की जड़ें मजबूत ही होती गईं। 'ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल' जैसी संस्थाओं की रिपोर्ट से तो यही जाहिर होता है। भ्रष्टाचार कम करने के लिए जरूरी है कि सरकारी तंत्र और प्रक्रियाओं में पारदर्शिता व सरलता लाई जाए, पर होता यह है कि भ्रष्टाचार रोकने के नाम पर प्रक्रियाओं को ज्यादा जटिल और अपारदर्शी बना दिया जाता है, जिससे अधिकारियों व संस्थानों की जवाबदेही और कम हो जाती है। ऐसे में, भ्रष्टाचार की गुंजाइश बढ़ जाती है। भ्रष्टाचार पर नियंत्रण करने वाली संस्थाओं को स्वतंत्र व मजबूत बनाने के लिए जरूरी कदम उठाने की इच्छा हमारी राजनीतिक संस्कृति में नहीं है, इसलिए इसमें पकड़े जाने की गुंजाइश जितनी कम है, पकड़े जाने पर सजा मिलने की गुंजाइश उससे भी कम है।सबसे बड़ी समस्या यह है कि भारत के आम नागरिक की गरिमा, उसके अधिकार, उसकी जान की परवाह भी हमारे तंत्र में कम ही है, बल्कि यह परवाह हमारे समाज में ही नहीं है, जो इन आम नागरिकों से बना है। हमारे समाज के लोगों में ही दूसरे लोगों, खासकर अलग वर्ग, समुदाय या क्षेत्र के, यानी अपने से अलग लगने वाले लोगों के दुख-दर्द या समस्या के प्रति वैसी हमदर्दी नहीं देखने को मिलती, जैसी एक देश में अपेक्षित है और भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में तो हमेशा ही ज्यादातर लोग हमसे अलग ही होंगे।

मूगा की खेती के लिए कोई भौगोलिक सीमा नहीं

मूगा सिल्क, जो अपनी प्राकृतिक सुनहरी चमक और जबरदस्त मजबूती के लिए दुनिया भर में मशहूर है, भारत के सबसे कीमती प्राकृतिक रेशों में से एक है. पारंपरिक रूप से, मूगा रेशम उत्पादन को असम और उत्तर-पूर्वी भारत की पहचान माना जाता रहा है. वैज्ञानिक प्रयोगों और खेतों के सफल अनुभवों से यह संकेत मिल रहे हैं कि मूगा की खेती को केवल एक ही भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित रखने की जरूरत नहीं है. दक्षिण भारत मूगा रेशम उत्पादन के लिए एक नए और आशाजनक क्षेत्र के रूप में उभर सकता है. प्राकृतिक रेशम की दुनिया में मूगा सिल्क की आर्थिक चमक बेजोड़ है. ऑफ-सीजन के दौरान, मूगा के एक कोकून की कीमत 15-20 रुपये तक पहुंच सकती है, जबकि बाजार में उच्च गुणवत्ता वाला कच्चा मूगा रेशम 45,000 से 50,000 रुपये प्रति किलो के भाव पर बिकता है.

मूगा सिल्क का नया अध्याय: मप्र और उत्तराखंड में सफल प्रयोग के बाद अब दक्षिण भारत की बारी

धारावत साईंचरण

आर्थिक दृष्टि से देखें तो, सोम या सोआलु (मूगा के पौधों) के एक एकड़ के बागान से एक बार में लगभग 35,000 से 40,000 कोकून पैदा किए जा सकते हैं. अगर सरकार द्वारा तय 6 रुपये प्रति कोकून की कीमत को भी आधार मानें, तो एक एकड़ से सिर्फ एक फसल में ही 2.1 से 2.4 लाख रुपये तक की सकल कमाई हो सकती है. रेशम के बीजों और पालन-पोषण के खर्चों को हटा देने के बाद भी, मूगा पालन एक बहुत ही अधिक मुनाफा देने वाला काम है.

इतनी अच्छी कीमत और कम लागत के कारण, मूगा रेशम पालन उन छोटे किसानों, आदिवासी परिवारों और ग्रामीण समुदायों के लिए कमाई का एक बेहतरीन जरिया है, जिनके पास जमीन तो कम है लेकिन मेहनत करने वाले हाथों की कमी नहीं है.

हालांकि 'एंथेरिया असामेंसिस' (मूगा रेशम का कीड़ा) मुख्य रूप से उत्तर-पूर्व में ही पाया जाता है. लेकिन, हाल के घटनाक्रमों ने इस धारणा को चुनौती दी है कि मूगा कहीं और नहीं पनप सकता.

मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में मूगा की खेती की सफल शुरुआत ने यह साबित कर दिया है कि ये कीड़े अपने पारंपरिक क्षेत्र के बाहर भी खुद को ढाल सकते हैं. ये अनुभव स्पष्ट करते हैं कि मूगा की खेती के लिए कोई भौगोलिक बंधन नहीं हैं. इसके लिए सही वातावरण, वैज्ञानिक देखरेख और किसानों व संस्थाओं का दृढ़ संकल्प ही मायने रखता है.

महत्वपूर्ण बात यह है कि उत्तर-पूर्व से बाहर यह सफलता मजबूत संस्थागत सहयोग से संभव हुई है. केंद्रीय रेशम बोर्ड (सीएसबी) के तहत काम करने वाली गुवाहाटी की संस्था 'मूगा एंड एरी सिल्कवर्म सीड ऑर्गेनाइजेशन' (एमईएसएसओ) ने मध्य प्रदेश और उत्तराखंड को बीमारी-मुक्त बीज उपलब्ध कराए हैं. स्वास्थ्य ने गुणवत्तापूर्ण बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मुख्य भूमिका निभाई है.

इस प्रयास में राज्य के रेशम विभागों ने भी बीजों की खरीद, वितरण और किसानों को तकनीकी सलाह देने में सक्रिय रूप से मदद की है. इससे यह सिद्ध होता है कि केंद्र और राज्यों के तालमेल से मूगा रेशम पालन को नए क्षेत्रों तक सफलतापूर्वक पहुंचाया जा सकता है. मूगा रेशम के कीड़े मुख्य रूप से सोम (पर्सिया बॉम्बेसिना) और सोआलु

(लिट्सा पोलियांथा) के पेड़ों की पत्तियों को खाते हैं, जो कि जंगली पेड़ों की प्रजातियां हैं. इन पेड़ों को लगाने के बाद मूगा पालन के लायक तैयार होने में लगभग तीन साल का समय लगता है. पेड़ों की यह विशेषता मूगा रेशम पालन को वृक्षारोपण कार्यक्रमों, कृषि-वानिकी और सामुदायिक वन पहलों के लिए एकदम उपयुक्त बनाती है. विशेष रूप से, सोआलु के पेड़ों को खराब हो चुकी वन भूमि और सामुदायिक जंगलों में उगाया जा सकता है. इससे पर्यावरण के संतुलन को बिगाड़े बिना, स्थानीय लोगों के लिए लंबे समय तक चलने वाला और नवीकरणीय आजीविका का साधन तैयार किया जा सकता है. मूगा रेशम के कीड़ों के लिए आवश्यक जलवायु- 20 से 30 डिग्री सेल्सियस तापमान और 65 से 85% की नमी है. दक्षिण भारत के कई वन और अर्ध-वन क्षेत्रों की परिस्थितियों से काफी मिलती-जुलती है. विशेष रूप से, मानसून और मानसून के बाद का मौसम यहां की खेती के लिए बहुत अनुकूल वातावरण प्रदान करता है. तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में बड़े वन क्षेत्र हैं, जहां रणनीतिक रूप से मूगा पालन शुरू किया जा सकता है. खेती के लिए संभावित समय -तेलंगाना और आंध्र प्रदेशः जुलाई से सितंबर और अक्टूबर से दिसंबर तक. कर्नाटक और केरलः जून से नवंबर तक. तमिलनाडुः मानसून से जुड़े मौसम के दौरान चुनिंदा वन क्षेत्रों में. समय के ये विकल्प मूगा रेशम पालन को अलग-अलग चरणों में और क्षेत्र के हिसाब से अपनाने का बेहतरीन अवसर देते हैं. दक्षिण भारत में मूगा रेशम पालन को बढ़ावा देने के पक्ष में सबसे ठोस तर्क यह है कि यह आदिवासी और वन क्षेत्रों में रहने वाले समुदायों के लिए बहुत उपयोगी है. मूगा पालन के लिए बहुत अधिक खेती-बाड़ी के संसाधनों या खाद-पानी की ज़रूरत नहीं होती. इसके बजाय, यह वन संसाधनों के सुरक्षित उपयोग के जरिए कमाई का जरिया बनता है. यह काम स्थानीय लोगों, विशेषकर महिलाओं के लिए सम्मानजनक रोजगार के अवसर पैदा करता है और साथ ही जंगलों के अंधाधुंध दोहन को रोकने में भी मदद करता है. आदिवासी परिवारों के लिए मूगा रेशम पालन अतिरिक्त आय का एक भरोसेमंद स्रोत बन सकता है, जिससे काम की तलाश में होने वाले मौसमी पलायन में कमी आएगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी. सामुदायिक वनों, संयुक्त वन प्रबंधन कार्यक्रमों और क्षतिपूरक वनीकरण योजनाओं में सोम और सोआलु के बागानों को शामिल करके, मूगा रेशम पालन के जरिए एक साथ दो लक्ष्य साधे जा सकते हैं. हरियाली बढ़ाना और आर्थिक लाभ कमाना, यह दोहरा लाभ मूगा रेशम को एक शक्तिशाली माध्यम बनाता है, जिससे टिकाऊ आजीविका, जलवायु लचीलापन और जैव विविधता संरक्षण से जुड़े राष्ट्रीय लक्ष्यों को हासिल किया जा सकता है. दक्षिण भारत में मूगा रेशम पालन का विस्तार भारत के रेशम उद्योग को एक नई पहचान देने का एक रणनीतिक अवसर है. एमईएसएसओ और केंद्रीय रेशम बोर्ड जैसी संस्थाओं के सहयोग से मध्य प्रदेश और उत्तराखंड में मिले सफल अनुभवों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि गुणवत्तापूर्ण बीजों, वैज्ञानिक मार्गदर्शन और राज्य स्तर के सहयोग से मूगा की खेती अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पूर्व) से बाहर भी फल-फूल सकती है. मूगा रेशम पालन केवल एक कृषि व्यवसाय नहीं है. यह

चुनाव को करीब देख फिर धर्म की शरण में द्रमुक

(एस श्रीनिवासन)

बीते इतवार को जब दिल्ली बजट भाषण पर बहस में डूबी हुई थी, ठीक उसी दिन तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) ने अपने विधानसभा चुनाव अभियान की शुरुआत की। दरअसल, 1 फरवरी को माघी पूर्णिमा थी और इसी दिन तमिल त्योहार 'थाईपुसम' मनाया जाता है। तमिलनाडु के धर्मपरायण लोगों के लिए इस दिन का बहुत महत्व होता है।

लंबे समय तक खुद को नास्तिक कहने वाले दल (द्रमुक) ने अपने चुनावी अभियान की शुरुआत के लिए इसी त्योहारी दिन को चुना। 'थाईपुसम' थाई और पुसम शब्दों से मिलकर बना है। थाई एक तमिल महीने का नाम है, जिसकी पहली पूर्णिमा को यह त्योहार मनाया जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान मुरुगन (कार्तिकेय) ने इसी दिन अपनी मां पार्वती द्वारा दिए गए दिव्य हथियार से सूरपद्मण नामक राक्षस का संहार किया था। तमिलनाडु में इस दिन सरकारी छुट्टी होती है, लेकिन इस बार यह त्योहार इतवार को ही पड़ गया। इस दिन लोग शिव मंदिरों, खासकर भगवान मुरुगन के मंदिरों में उमड़ पड़े और पूजा-अर्चना की। जाहिर है, द्रमुक ने श्रद्धालुओं को खुश करने के लिए इस दिन का चयन किया, इससे यही संदेश गया है कि इस पार्टी को भी धर्म के समर्थन की आवश्यकता महसूस होने लगी है। द्रमुक को सत्ता विरोधी लहर के साथ-साथ अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके की चुनौती का भी सामना करना पड़ रहा है। अन्नाद्रमुक तो है ही।

द्रमुक और अन्नाद्रमुक- दोनों परंपरागत प्रतिद्वंद्वी दलों ने अपने गठबंधन लगभग तय कर लिए हैं। छोटी-मोटी कुछ अड़चनें हैं, जिनको वे आने वाले दिनों में सुलझा लेंगे। समय की कसौटी पर खरे उतरे द्रमुक गठबंधन के इस चुनाव में भी बने रहने की पूरी संभावना है। हालांकि, इसके एक प्रमुख घटक कांग्रेस ने आधिकारिक रूप से अपने रुख की घोषणा नहीं की है, लेकिन यह सौदा तय लग रहा है। तमिलनाडु और पुडुचेरी इकाइयों के कांग्रेस प्रभारी गिरीश चोडणकर द्रमुक नेतृत्व से बातचीत कर रहे हैं और जल्द ही पार्टी के महासचिव के सी वेणुगोपाल समझौते को अंतिम रूप देने के लिए आने वाले हैं।

कांग्रेस 234 सदस्यों वाली विधानसभा के लिए 33 सीटों पर दावा कर रही है, जबकि पिछले चुनावों में उसे 25 सीटें मिली थीं। हालांकि, उसे पुडुचेरी में ज्यादा परेशानी हो रही है। वहां उसका दबदबा है और वह अपना मुख्यमंत्री बनाना चाहती है। दिलचस्प बात यह है कि द्रमुक भी वहां नेतृत्व का दावा कर रही है और उसके नेता जगतरक्षकन ने मुख्यमंत्री के चेहरे के तौर पर अपनी दावेदारी भी पेश कर दी है। दिल्ली में कांग्रेस के डाटा एनालिसिस विभाग के प्रमुख प्रवीण चक्रवर्ती के नेतृत्व वाला गुट अभिनेता विजय के साथ गठबंधन पर जोर दे रहा है। चक्रवर्ती का कहना है कि विजय के पास चुनाव जीतने के बेहतर मौके हैं। प्रवीण और विजय, दोनों चुनावी राजनीति में नए हैं, पर वे अपनी राजनीतिक समझ के लिए जाने जाते हैं।

द्रमुक का दूसरे घटकों से कमोबेश गठबंधन हो गया है। वह पूर्व मुख्यमंत्री ओ पनीरसेल्वम के भी संपर्क में है। इधर, अन्नाद्रमुक के सभी गुटों को एकजुट करने में नाकाम रही भाजपा ने अब यह प्रयास छोड़ दिया है। वैसे, उसका गठबंधन टीटीवी दिनाकरन को अपने साथ जोड़ने में कामयाब रहा है। इस बार उसे पीएमके से भी समझौता किया है, जिसका तमिलनाडु के उत्तरी हिस्सों में काफी प्रभाव है। अन्नाद्रमुक 150 से 160 सीटें अपने पास रखेगी और बाकी सहयोगियों के लिए छोड़ सकती है। भाजपा 30 सीटें मांग रही है, मगर वह 22 पर मान सकती है।

अभिनेता विजय ने धमाकेदार शुरुआत की और कई दलों को गठबंधन के लिए बुलाया। दुर्भाग्य से, किसी ने उनकी बात नहीं मानी। अब विजय ने सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारने का एलान किया है। उनके प्रत्याशी पारंपरिक पार्टियों के वोटों में सेंध लगा सकते हैं। लाख टके का सवाल यही है कि विजय किसको ज्यादा नुकसान पहुंचाएंगे? द्रमुक और अन्नाद्रमुक- दोनों तमिल दल दावा कर रहे हैं कि अभिनेता के आने से उन्हें कोई नुकसान नहीं होगा, लेकिन वे भी जानते हैं कि उनकी यह बात विश्वसनीय नहीं है। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार) (ये लेखक के अपने विचार हैं)

तेहरान अब एक सीख है

तेहरान की सरकार ने जल-संकट से निपटने के लिए 'स्मार्ट मीटरिंग' के साथ पानी के दबाव में कटौती की है, परंतु यह समस्या को वक्ती तौर पर टालने से अधिक कुछ भी नहीं। अगर हालात ऐसे ही रहे, तो अमेरिकी प्रक्षेपास्त्रों से ज्यादा पानी की कमी यहां के लोगों के लिए घातक साबित होगी। तेहरान क्या 'डे जीरो' की ओर बढ़ रहा है? मेरे इस सवाल से गफलत में न आएं। मैं अमेरिका के संभावित हमले का नहीं, बल्कि वहां उपजे अभूतपूर्व जल-संकट की ओर इशारा कर रहा हूं। चौतरफा समस्याओं से जूझ रही यह महानगरी बाहरी जंग के साथ इस कभी न खत्म होने वाली आपदा से भी पीड़ित है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने पीड़ापूर्वक कहा है कि देश की राजधानी को स्थानांतरित करना अब विकल्प नहीं, मजबूरी है।

(शशि शेखर)

तेहरान पर ये दुर्दिन अचानक नहीं टूटे हैं। इसका सिलसिला लंबा है। यहां की जलापूर्ति का मुख्य स्रोत अल्बोर्ज पर्वतमालाओं की बर्फ है। जितनी बर्फ पड़ेगी, उतनी ही पिघलेगी और पिघलती हुई हर बूंद यहां के लोगों के सूखते हलक भिगोने के काम आएगी। सदियों पुराना यह सिलसिला 'ग्लोबल वार्मिंग' की चपेट में आ गया है। बर्फ पड़नी कम हो गई है और साल-दर-साल आबादी की बढ़ोतरी के साथ यहां से प्राप्त होने वाली जल-संपदा में घटोतरी हो रही है। नतीजतन, भूजल का भयंकर दोहन जारी है और इसकी वजह से यहां आबादी वाले इलाकों में भी जमीन का धंसना जारी है।

क्या आपको यहां भारतीय शहरों की याद नहीं आ रही? हमारा हाल भी कुछ जुदा नहीं, मगर इस पर आगे चर्चा करेंगे। पहले ईरान की पूरी बात। तेहरान की सरकार ने इससे निपटने के लिए 'स्मार्ट मीटरिंग' के साथ पानी के दबाव में कटौती की है, परंतु यह समस्या को वक्ती तौर पर टालने से अधिक कुछ भी नहीं। अगर हालात ऐसे ही रहे, तो अमेरिकी प्रक्षेपास्त्रों से ज्यादा पानी की कमी यहां के लोगों के लिए घातक साबित होगी। तेहरान आधुनिक युग में उजड़ने वाली दूसरी राजधानी साबित हो सकती है।

इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता पर यह आफत पहले से तारी है। जकार्ता को जलसंकट के चलते नुसंतारा स्थानांतरित किया जा रहा है। वजह? जकार्ता में पाइप के जरिये पानी की आपूर्ति सिर्फ 40 फीसदी आबादी तक ही है। भूजल जकार्तावासियों को पालता-पोसता है। नतीजतन, यह शहर 20 से 28 सेंटीमीटर प्रतिवर्ष की दर से नीचे की ओर धंस रहा है। एक तरफ जमीन धंस रही है, तो दूसरी तरफ समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है। अब तक इस महानगर के 40 फीसदी हिस्से को सागर की लहरें लील चुकी हैं। आशंका जताई जा रही है कि अगले 25 वर्षों में इसका रहा बचा इलाका समुद्र में गुम हो जाएगा।

हमारे देश के 21 शहर भयंकर जल-संकट की चपेट में हैं। इनमें नई दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और चेन्नई जैसे अति-महत्वपूर्ण महानगर शामिल हैं। बंगाल की खाड़ी के किनारे बसे चेन्नई में तो सन् 2019 में 'डे जीरो' जैसे हालात पैदा हो गए थे और आसपास के शहरों से ट्रेन के जरिये पानी पहुंचाना पड़ा था।

भूजल के अत्यधिक दोहन की वजह से बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे में भी वैसे लक्षण प्रकट होने लगे हैं, जैसे शुरुआत में तेहरान या जकार्ता में हुए थे। यहां भी भूजल स्तर रसातल की ओर जा रहा है और जमीन धंसने की घटनाएं बढ़ रही हैं। बेंगलुरु को देश की 'डिजिटल कैपिटल' कहा जाता है, लेकिन यह आधुनिकता भला किस काम की, जब यहां के लोग

और सरकार इस दिशा में कोई सार्थक कदम नहीं उठा पा रहे? देश की राजधानी दिल्ली के हालात भी दयनीय हैं। यहां बरसों से पानी की राशनिंग लागू है। रोहिणी जैसे तमाम जनसंकुल इलाके ऐसे हैं, जहां दिनवार तरीके से जलापूर्ति की जाती है। यमुना के किनारे बसे इस शहर में कभी 24 घंटे पानी आता था। अब यमुना में अमोनिया की मात्रा इतनी अधिक हो गई है कि उसका जल ग्रहण करने योग्य नहीं रह बचा है। नतीजतन, यहां टैंकर माफिया सक्रिय हैं और एक बड़ी आबादी को उनसे मनमाने दामों पर आवश्यकता का पानी खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ता है। राजधानी की 90 फीसदी जलापूर्ति उत्तर प्रदेश और हरियाणा जैसे पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है। अवर्षण या अत्यधिक गरमी की वजह से जब इन राज्यों में जलसंकट शुरू होता है, तब दिल्लीवासी इसका सर्वाधिक शिकार बनते हैं। ऐसा नहीं है कि हुकूमत ने इस मुद्दे पर आंखें मूंद रखी हैं। केंद्र सरकार ने अटल भूजल योजना, नदी जोड़ो अभियान, रेन वाटर हार्वेस्टिंग और डिजिटल वाटर ग्रिड जैसी तमाम योजनाएं लागू की हैं। अटल भूजल योजना के जरिये लोगों को जल-वितरण में साझी जिम्मेदारी सौंपने का प्रयास है। जल संबंधी जागृति बढ़ाने के लिए कई शहरों में पीजो मीटर स्थापित किए गए हैं। ये मीटर लोगों को गिरते भूगर्भीय जल की ताजातरीन स्थिति से वाकिफ कराते हैं। इजरायल से 'ड्रिप इरिगेशन' की तकनीक भी हासिल की गई है, ताकि 60 से 70 फीसदी जल सिंचाई के दौरान बचाया जा सके। जल की रिसाइक्लिंग के जरिये 90 फीसदी के करीब जलभंडार को पुनः रोजमर्रा के काम में लाने की कवायद भी जोरों से जारी है। विदेश की कुछ कंपनियां वायु से जल बनाने में महारत हासिल कर चुकी हैं। एक नामचीन मंत्री तो अपने आवास में इस विधि से हासिल जल का ही उपयोग करते हैं। यह बात अलग है कि ऐसी तकनीक तक आम आदमी को पहुंचने में वर्षों लग जाएंगे। मैं आपका ध्यान नदी जोड़ो अभियान की ओर आकर्षित करना चाहूंगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यभार सम्हालते ही इस अभियान की शुरुआत की थी और इसके प्रथम चरण में केन और बेतवा नदी को जोड़ने का काम चालू है। अगर यह प्रयोग सफल रहा, तो हम तेजी से पनपते जल-संकट पर काफी कुछ काबू पा सकेंगे। हालांकि, बहुत से जानकार इसे खर्चीला और दूरगामी बताते हैं। जल-संकट, जलवायु और बिगड़ते पर्यावरण में घनिष्ठ संबंध है। दुनिया के साथ भारत में तेजी से इनके बिगड़ने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। ईरान के अल्बोर्ज पर्वत की तरह हिमालय की चोटियां भी अब पहले जैसी घनी बर्फ का इंतजार करती हैं। हिमपात में कमी और बढ़ती गर्मी की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और गंगा, यमुना सतलुज, रावी जैसी सदानीराएं बेहाल हैं। इन्हें प्रदूषण ने भी अपनी जकड़न में ले रखा है।मैं अपनी एक आपबीती बताता हूं। गुजरी वसंत पंचमी को मैं देहरादून में था। शिवालिक की गोद में बसी एक घाटी में उस दिन जबरदस्त बारिश हुई और ओले पड़े। साथ ही पड़ोस की पर्वत शृंखलाओं पर मौसम की पहली बर्फबारी भी हुई। बताने की जरूरत नहीं कि वसंत पंचमी का दिन उत्तर भारत में शीत ऋतु की विदाई का मौका माना जाता था। उस दिन कड़ाके की सर्दी, बर्फबारी और वर्षा को देख एक सहयोगी की टिप्पणी थी- अब वसंत का मौसम खत्म हो गया है। बातों ही बातों में वह बहुत गहरी बात कह गए थे। यह सिर्फ एक मौसम का अंत नहीं, बल्कि हमारी आपकी जिंदगी से वसंत की स्थायी विदाई का त्रासद संकेत भी है।

गोपालपुर प्राथमिक स्वास्थय केंद्र में प्रसव के दौरान लापरवाही का आरोप! डॉक्टर बोले - ऑक्सीजन के साथ भेजते तो बच सकती थी जान!

हॉस्पिटल मे रेफर के लिए ऑक्सीजन का व्यवस्था न होना मॅनॅग्मेंट की भारी लापरवाही!

सरसींवा (सारंगढ़-बिलाईगढ़)/मूक पत्रिका

जिले के गोपालपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव के दौरान कथित लापरवाही का एक गंभीर मामला सामने आया है जिसमें जन्म के कुछ ही समय बाद नवजात शिशु की मौत हो गई। घटना के बाद पीड़ित पिता ने कलेक्टर से लिखित शिकायत कर मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस घटना ने क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं की कार्यप्रणाली पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भटगांव निवासी राकेश कुमार राजेंत्री अपनी पत्नी श्रीमती सोनिया राजेंत्री को प्रसव पीड़ा होने पर गोपालपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। वहां ड्यूटी पर मौजूद स्टाफ नर्स द्वारा जांच के दौरान बताया गया कि गर्भ में बच्चे की धड़कन धीमी है और मेकोनियम (गंदा

पानी) आ चुका है, जो जोखिम की स्थिति मानी जाती है। परिजनों के अनुसार, उन्होंने महिला को तुरंत किसी बड़े अस्पताल ले जाने की बात कही, लेकिन स्टाफ द्वारा 10ङ्क15 मिनट प्रतीक्षा करने की सलाह दी गई।

पीड़ित का आरोप है कि अस्पताल में महिला को इंजेक्शन लगाने के साथ बार-बार पेट दबाया गया। कुछ समय बाद प्रसव तो हो गया, लेकिन नवजात शिशु ठीक से सांस नहीं ले पा रहा था। इसके बाद परिजनों को बच्चे को तुरंत बड़े अस्पताल ले जाने की सलाह दी गई। एम्बुलेंस और ऑक्सीजन की सुविधा नहीं मिलने के वजह से परिजन निजी वाहन से बच्चे को जांजगीर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने कुछ ही देर में नवजात को मृत घोषित कर दिया। परिजनों का कहना है कि जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि यदि बच्चे को समय पर ऑक्सीजन लगाकर रेफर किया गया होता, तो उसकी जान बचने की संभावना थी। इस पर पीड़ित पिता ने सवाल उठाया है कि जब पहले से ही बच्चे की धड़कन धीमी होने की जानकारी थी, तो समय रहते ऑक्सीजन की व्यवस्था कर एम्बुलेंस से रेफर क्यों नहीं किया गया।

मेडिकल ऑफिसर का पक्ष-प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोपालपुर के मेडिकल ऑफिसर से चर्चा करने पर उन्होंने बताया कि भर्ती के समय ही बच्चे की हार्टबीट धीमी थी। उनके अनुसार, परिजनों से अन्य अस्पताल ले जाने के लिए सलाह दी गई थी, लेकिन अटेंडर के कहने पर यहीं डिलीवरी कराई गई और सहमति पत्र (कंसेंट फॉर्म) भी भरवाया गया। उन्होंने कहा कि बाद में बच्चे की स्थिति को देखते हुए रेफर किया गया। ऑक्सीजन के साथ रेफर नहीं करने के सवाल पर उनका कहना था कि रेफर के बाद मरीज को किस प्रकार ले जाया जाएगा, यह अटेंडर की जिम्मेदारी होती है।

पीड़ित परिवार का आरोप-वहीं पीड़ित परिवार का कहना है कि जब जांच में बच्चे की धड़कन धीमी बताई गई थी, तब वे तुरंत अन्य अस्पताल ले जाना चाहते थे, लेकिन उन्हें कुछ समय प्रतीक्षा करने को कहा गया। उनका आरोप है कि प्रसव के बाद बच्चे की हालत गंभीर थी, फिर भी बिना ऑक्सीजन और बिना एम्बुलेंस के रेफर कर दिया गया। जांजगीर अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने कथित तौर पर बताया कि ऑक्सीजन के साथ लाया जाता तो बच्चे की जान बच सकती थी और ऑक्सीजन व एम्बुलेंस की व्यवस्था अस्पताल की जिम्मेदारी होती है।

सरस्वती सम्मान से सम्मानित होंगे पाणिग्रही

जगदलपुर/मूक पत्रिका

21 फ़रवरी 2026 को विमतारा ऑडिटोरियम,शांति नगर रायपुर में सरस्वती साहित्य महोत्सव का वृहद आयोजन किया जा रहा है द्य इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के साहित्यिक विभूतियां को सम्मानित किया जाएगा द्य इस साहित्य महोत्सव में जगदलपुर के वरिष्ठ साहित्यकार रुद्र नारायण पाणिग्राही को सरस्वती सम्मान से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई है, यह सम्मान आंचलिक साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया जाएगा द्य ज्ञात हो कि यह साहित्य महोत्सव सरस्वती प्रकाशन भिलाई तथा साईनाथ फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है द्य छत्तीसगढ़ के उक्त ग्रुप के द्वारा कला साहित्य व संगीत के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए प्रतिवर्ष लोगों को सम्मानित करती आ रही है इस वर्ष सरस्वती साहित्य सम्मान 2026 का रुद्र नारायण पाणिग्राही वरिष्ठ लेखक व इतिहासकार को प्रदान किया जाएगा द्य उक्त कार्यक्रम में परिचर्चा के दो सत्र तथा ओपन माइक कार्यक्रम भी शामिल है द्य

बजट में प्रावधानित राशि से 15 फ़रवरी के बाद क्रय पर प्रतिबंध

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

, 13 फ़रवरी 2026/ छत्तीसगढ़ सरकार के वित्त विभाग से जारी निर्देश के पालन में जिला कोषालय अधिकारी ने जिले के समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारी को पत्र जारी किया है, जिसके अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में प्रावधानित राशि से 15 फ़रवरी के बाद क्रय पर प्रतिबंध लगाया है और जिला कोषालय में 15 फ़रवरी के बाद भुगतान के लिए प्रस्तुत बिल में क्रय आदेश संलग्न करना होगा।

बरगांव में गूंजा 'मनरेगा बचाव संग्राम', जन चौपाल में ग्रामीणों ने लिया अधिकारों की रक्षा का संकल्प

बेमेतरा/मूक पत्रिका

सरिया ब्लॉक के ग्राम पंचायत बरगांव में मनरेगा बचाव संग्राम के तहत जन चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए और रोजगार गारंटी योजना से जुड़े अपने अधिकारों को लेकर जागरूकता दिखाई। जन चौपाल को संबोधित करते हुए ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष उग्रसेन साहू ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मनरेगा सिर्फएक योजना नहीं, बल्कि गरीब, मजदूर, किसान और महिलाओं की आजीविका की गारंटी है। गांवों में रोजगार और सम्मान देने वाली इस योजना के बजट में कटौती कर गरीबों के हितों को कमजोर किया जा रहा है।

प्रदेश प्रतिनिधि शरद यादव ने ग्रामीणों को विस्तार से मनरेगा की उपयोगिता समझाई। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से गांवों में तालाब, सड़क, नाली, खेत-तालाब और मेड़बंदी जैसे स्थायी कार्य हुए हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। मनरेगा ने पलायन रोकने में बड़ी भूमिका निभाई है और गांव में ही रोजगार उपलब्ध कराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान नीतियों के कारण मजदूरों को समय पर काम और मजदूरी नहीं मिल पा रही है, जो चिंताजनक है। कांग्रेस पार्टी मनरेगा को कमजोर नहीं होने देगी और इसके अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी।

पूर्व विधायक प्रकाश नायक ने भी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि रोजगार गारंटी योजना गरीब, मजदूर और किसानों के लिए जीवनरेखा है। उन्होंने ग्रामीणों से संगठित होकर अपने अधिकारों की रक्षा के लिए आगे आने की अपील की।कार्यक्रम में बीडीसी युवराज चौधरी, मानस साहू और ललित डनसेना ने भी अपने विचार रखे और मनरेगा बचाव के समर्थन में आवाज बुलंद की। मंच संचालन उग्रसेन साहू ने किया।

जन चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने एक स्वर में मनरेगा को कमजोर करने की किसी भी कोशिश का विरोध करने और अपने अधिकारों के लिए संगठित होकर आंदोलन तेज करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक प्रकाश नायक, प्रदेश प्रतिनिधि शरद यादव, ब्लॉक अध्यक्ष उग्रसेन साहू, बीडीसी युवराज चौधरी, मंडल अध्यक्ष अगनू पटेल, प्रकाश पुरोहित, खेमराज नायक, रूप पटेल, जयप्रकाश साहू, संजय प्रधान, नरेंद्र डनसेना, तफ्सीर, मानस साहू, बासु पटेल, खुशीराम, संजय बारीक, उपेंद्र, खीरों, प्रेम साहू, दुर्गेश, भुवन विजय, मधुर लाल, गुलशन, भवानी, घसिया, जयलाल, पलटन, श्यामलाल, मधुर, शकराजीत, रामगोपाल, प्रमोद यादव, अनिल, सुरेश, ईश्वर साहू, लोकेश, रविचंद्र पटेल, बावा, बल्लभ, आश्वसन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

विकसित भारत गारंटी अंतर्गत रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) पर कार्यशाला व जागरूकता सम्मेलन आयोजित

कांकेर/मूक पत्रिका

विकसित भारत गारंटी के तहत रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने तथा ग्रामीणों को इसके प्रावधानों और अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जनपद पंचायत कांकेर अंतर्गत ग्राम पंचायत भीरवाही में कार्यशाला एवं जागरूकता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 से प्रत्येक पंजीकृत श्रमिक को प्रतिवर्ष 125 दिनों का रोजगार सुनिश्चित किया जाएगा। योजना का उद्देश्य ग्रामीण मजदूरों को न्यूनतम आय सुरक्षा प्रदान करना, बेरोजगारी एवं पलायन पर नियंत्रण तथा आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। डिजिटल पारदर्शिता को बढ़ावा देते हुए हितग्राही क्यूआर कोड स्कैन कर अपने कार्यों की प्रगति की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक कांकेर आशाराम नेताम ने कहा कि शासन की प्राथमिकता ग्रामीण क्षेत्रों को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए जनप्रतिनिधियों और प्रशासन का समन्वय आवश्यक है। इस अवसर पर पूर्व सांसद मोहन मंडावी, छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियार, पूर्व विधायक सुमित्रा मार्कोले, जनपद अध्यक्ष पूर्णिमा कावड़े, उपाध्यक्ष तारुणी ठाकुर सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को सीधे ग्रामीणों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

अनुकम्पा नियुक्ति के आदेश जारी, नक्सल पीड़ित परिवारों को मिला सहारा

पुनर्वास नीति-2025 के तहत शासकीय सेवा में मिली नियुक्ति, कई अभ्यर्थी चतुर्थ श्रेणी पदों पर पदस्थ

बीजापुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन की नक्सलवाद आत्मसमर्पण, पीड़ित, राहत एवं पुनर्वास नीति-2025 के अंतर्गत पुनर्वास कार्ययोजना को आगे बढ़ाते हुए जिला प्रशासन ने नक्सल पीड़ित परिवारों के सदस्यों को अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की है। जिला स्तरीय पुनर्वास समिति की अनुशंसा के आधार पर यह नियुक्तियाँ की गई, जिन्हें प्रभावित परिवारों के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है। कार्यालय कलेक्टर, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग, जिला बीजापुर द्वारा जारी आदेश के अनुसार चयनित अभ्यर्थियों को चतुर्थ श्रेणी के विभिन्न पदों पर कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से आगामी आदेश तक अस्थायी रूप से पदस्थ किया गया है। जारी सूची के मुताबिक कुमारी गीता मुड़मा को भृत्य के पद पर तहसील कार्यालय बीजापुर में नियुक्त किया गया है। नरेन्द्र कुमार तामड़ी और कुरसम नागेश को तहसील कार्यालय भोपालपटनम में भृत्य बनाया गया है। आशा मोड़ियम को फर्राश के पद पर तहसील कार्यालय बीजापुर में पदस्थ किया गया है। इसी तरह समीर गर्ग को प्रोसेस सर्वर के पद पर तहसील कार्यालय बीजापुर तथा विनोद कुरसम को प्रोसेस सर्वर के पद पर तहसील कार्यालय भोपालपटनम में नियुक्ति दी गई है। दिनेश कुमार वाचम और लेकाम अशोक को जिला कार्यालय बीजापुर में चौकीदार बनाया गया है, जबकि कोवासी लक्ष्मण को तहसील कार्यालय बीजापुर में चौकीदार के पद पर पदस्थ किया गया है। प्रशासन का मानना है कि पुनर्वास नीति के तहत दी गई ये नियुक्तियाँ प्रभावित परिवारों को आर्थिक सुरक्षा देने के साथ ही उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में अहम पहल साबित होंगी।

महाशिवरात्रि पर्व में रंगेगा गोबरहीन केशकाल, विशाल मेले की तैयारियां

केशकाल/मूक पत्रिका

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर गोबरहीन स्थित प्राचीन शिवधाम में इस वर्ष भी भव्य आयोजन की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। केशकाल से लगभग 2 किमी दूर बटराली मार्ग से 3 किमी भीतर स्थित यह स्थल ऋषि मारकण्डेय मुनि की तपोभूमि के रूप में प्रसिद्ध है। मान्यता है कि यहां स्थापित विशाल शिवलिंग भगवान शिव और मुनि के बीच हुई तपस्या एवं शर्त के कारण विस्तृत हुआ था।किवदंतियों के अनुसार यह शिवलिंग इतना विशाल है कि श्रद्धालु इसे अपनी भुजाओं में भरने का प्रयास करते हैं। अमरकंटक के ÷छोटे हाथी÷ की तरह इसे पार करना सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। क्षेत्र में नलवंशी-नागवंशी काल के अति प्राचीन शिवधामों की ऐतिहासिक झलक भी यहां देखने को मिलती है। महाशिवरात्रि पर 15 फरवरी, रविवार को ब्रह्ममुहूर्त से सूर्यास्त तक दर्शन-पूजन, भजन-कीर्तन, मानस गान और भंडारे का आयोजन किया जाएगा। गोबरहीन-गढ़धनौरा सहित निराछिंदली नारना, बड़े खौली, बड़े ओड़ागांव, भोंगापाल, पावड़ा और गारका आदि ग्रामों में भी मेले जैसा माहौल रहेगा।यह प्राचीन स्थल 5वीं-6वीं शताब्दी के पुरावशेषों के बीच स्थित है, जहां कुल 11 मंदिर अवशेष मौजूद हैं। बड़े शिवलिंग के दर्शन के पश्चात यादव समाज के कृष्ण मंदिर तथा अन्य मंदिरों में भी श्रद्धालु दर्शन करते हैं। स्थानीय जनश्रुति के अनुसार एक प्राचीन मंदिर में भगवान विष्णु की विशाल पाषाण प्रतिमा थी, जिसे सोने का बताया जाता है। चोरी के प्रयास में मूर्ति को न उठा पाने पर चोरों द्वारा उसके स्वर्ण हाथ काट दिए जाने की कथा आज भी क्षेत्र में प्रचलित है। इसका एक अंश पंचायत भवन में सुरक्षित होने की बात कही जाती है।यहां स्थित 'जोड़ा लिंग' शिव-शक्ति के संयुक्त स्वरूप के रूप में प्रसिद्ध है। बड़े खौली में शिवरात्रि के साथ वार्षिक ग्राम मेला भी आयोजित होता है, जिसमें दूर-दूर से श्रद्धालु शामिल होते हैं।बस्तर पुरातत्व समिति के अध्यक्ष घनश्याम सिंह नाग एवं सचिव लोकेश गायकवाड़ ने बताया कि वर्ष 1990 से लगातार 36 वर्षों से यह मेला आयोजित हो रहा है। उन्होंने इसे ÷महाशिवरात्रि महोत्सव÷ का स्वरूप देने की मांग प्रदेश के मुख्यमंत्री, पर्यटन मंत्री, सांसद एवं क्षेत्रीय विधायक नीलकंठ टेकाम से की है।महाशिवरात्रि पर गोबरहीन-केशकाल क्षेत्र एक बार फिर शिवमय वातावरण में रंगने को तैयार है, जहां आस्था, इतिहास और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को ।

बोरपदर में जलेश्वर महादेव की प्राण प्रतिष्ठा

बकावंड/मूक पत्रिका

बोरपदर पड़िहार पारा में शिव लिंग की प्राण प्रतिष्ठा कर स्थापना की गई। पारा वासियों के सहयोग से चबुतरा का निर्माण कर भगवान जलेश्वर महादेव का स्थापना किया गया। इस शिवरात्रि पूरे विधि-विधान से पूजा अर्चना कर गांव की सुख-समृद्धि की कामना की जाएगी। इस अवसर पर ग्रामीणों ने भगवान शिव की पूजा अर्चना की और उनके आशीर्वाद की कामना की। इस आयोजन में पारा वासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और भगवान जलेश्वर महादेव की स्थापना में अपना योगदान दिया। भगवान जलेश्वर महादेव की स्थापना से गांव में खुशहाली और समृद्धि आने की उम्मीद है। ग्रामीणों ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत की और भगवान शिव की पूजा अर्चना की। इस अवसर पर भंडारा का आयोजन किया गया जिसमें ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और भगवान जलेश्वर महादेव के प्रसाद का आनंद लिया। इस अवसर पर गणेश ठाकुर, मोसुराम ठाकुर, गंगाधर, प्रवीण, अनिल, सुनील, पुनीत, मुकेश, आदर्श, लवेन्दर, चिंटू, बल्ब सिंह, रघुनाथ, रमेश, वेंकट सिंह, प्रहलाद, गजेंद्र, अंकुर, चुम्मन, युवराज, तुलाराम, टिंकू, गोलू, संतोष, कमला, दुलेन्दी, सुलोचना, हिरामनी, कुंती, लता, बबीता, सवीता, चन्दबती, नंदा, ललिता, गीता, प्रभा, गेलमनी, बोमबती, सोनी, चमेली, अनिता, जानकी आदि उपस्थित थे।

फर्जी बिल लगाकर सरपंच, सचिव ने पंचायत को लगाया लाखो का चूना

शिकायत के बाद भी मुख्य कार्यपालन अधिकारी के द्वारा कार्यवाही शून्य?

रायगढ़/मूक पत्रिका

जनपद पंचायत रायगढ़ में सरपंच, सचिव के कारनामे कम नहीं हो रहे हैं। इसी क्रम में ग्राम पंचायत टारपाली में सरपंच एवं सचिव द्वारा बिना जीएसटी के बिल लगाकर लाखों रुपए का भुगतान किया गया है सरकार द्वारा पंचायतों में किए जा रहे भुगतानों में पारदर्शिता लाने के लिए चाहे कितने भी प्रयास क्यों न किए गए हों,लेकिन सरपंच-सचिवों की मिलीभगत से उसमें कहीं ना कहीं भ्रष्टाचार के रास्ते निकाल ही लिए जाते हैं। तमाम नियमों के बावजूद ग्राम पंचायत टारपाली मे सरपंच, सचिव के द्वारा खुलेआम बिना जीएसटी नंबरों के बिलों पर लाखों का भुगतान किया गया है कई ऐसे बिल है तारीख भी नहीं है जिससे शासन को जहां एक ओर लगातार राजस्व की क्षति हो रही है। वहीं जितना भुगतान पंचायतें करती है उसमें आधा कार्य भी नहीं हो रहा है तथा जो हो रहा है वह भी घटिया स्तर का हो रहा है।

आवेदक के द्वारा 31/01/2026 को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत रायगढ़ को फर्जी बिल संबंधी लिखित शिकायत की गई थी और फर्जी बिल भी उपलब्ध कराया गया था लेकिन आज दिनांक तक मुख्य कार्य पालन अधिकारी के द्वारा कोई जांच टीम गठित नहीं किया गया है पूरे मामले में कहीं न कहीं अधिकारियों की भी लापरवाही सामने आ रही है, खबर प्रकाशन के बावजूद फर्जी बिलों पर हजारों-लाखों का भुगतना करने वाले सरपंच सचिवों पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। जिससे सरपंचों के कार्यकाल के शुरुवात में पंचायतों में जमकर भ्रष्टाचार एवं फर्जीवाड़ा हो रहा है। पूरे मामले में आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि जिन बिलों पर भुगतान किया जा रहा है उसका उस फर्म से कोई कनेक्शन ही नहीं है।ये भुगतान छोटे नही हजारों में हो रहे हैं जिससे अधिकारियों को भी कोई सरोकार नजर नहीं आ रहा है। आश्चर्य तो इस बात का है बिलों का भुगतान भी हो रहा है, लेकिन इसकी खबर अधिकारियों को भी है जो यह दर्शा रहा है कि पंचायतों में किस हद तक लापरवाही चल रही है और मिलीभगत से कैसे शासकीय राशि का दुरूपयोग किया जा रहा है। और सिर्फ और सिर्फ सरपंच व सचिव शासन के पैसो का गोलमाल किया जा रहा है है

मिलीभगत का सबूत

ग्राम पंचायत व्यवस्था में सचिव और सरपंच की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। सचिव प्रशासनिक अधिकारी होता है जबकि सरपंच जनता का निर्वाचित प्रतिनिधि। दोनों का दायित्व है कि सरकारी योजनाएँ पारदर्शी और नियमों के अनुसार लागू हों। लेकिन जब यही दोनों पदाधिकारी निजी लाभ के लिए मिल जाते हैं, तो भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है।ग्राम पंचायत टारपाली का प्रकरण इसी मिलीभगत का उदाहरण है। सचिव ने पूरे प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग करते हुए बिलों को पास किया और भुगतान की प्रक्रिया पूरी कर दी। सरपंच ने इस प्रक्रिया में सहमति दी और हिस्सेदारी भी ली। इतना बड़ा फर्जीवाड़ा सरपंच की जानकारी और सहयोग के बिना संभव ही नहीं था।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी भ्रष्ट सरपंच,सचिव को बचाने में लगे हुए हैं यही कारण है कि आज दिनांक तक इन सरपंच सचिवों पर किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं करना समस्या परे है या प्रशासनिक तौर पर खुला संरक्षण दिया गया है इस कारण सरपंच सचिव के हौसले बुलंद है

बहरहाल आगे यह देखना लाजमी होगा कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी सरपंच ग्राम पंचायत टारपाली व सचिव के ऊपर कब और किस प्रकार के कार्यवाही की जाती है

बाकी की खबर अगले अंक मे.....

भागो मोबिलिटी ने होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया और होंडा पावर पैक एनर्जी इंडिया के साथ साझेदारी कर इंटेलिजेंट सस्टेनेबल मोबिलिटी ट्रांसपोर्ट प्लेटफॉर्म लॉन्च किया

नई दिल्ली: भागो मोबिलिटी ने आज भारत में तेजी से बढ़ती शहरी मोबिलिटी आवश्यकताओं को सक्षम बनाने के लिए एक व्यापक इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्लेटफॉर्म के लॉन्च की घोषणा की। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के साथ साझेदारी में और होंडा पावर पैक एनर्जी इंडिया (एचईआईडी) के बैटरी-स्वैपिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर के सहयोग से, कंपनी दिल्ली और बेंगलुरु में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स की तैनाती करेगी, जिसके बाद अगले तीन वर्षों में इसे पैन-इंडिया स्तर पर विस्तार दिया जाएगा। यह प्लेटफॉर्म डिलीवरी पार्टनर्स, राइड-हेलिंग ड्राइवर्स और लास्ट-माइल लॉजिस्टिक्स वर्कर्स के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें एक सिंगल सब्सक्रिप्शन-बेस्ड मॉडल के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों तक पहुंच, बैटरी स्वैपिंग, अनुपालन (कंप्लायंस) और टेक्नोलॉजी सपोर्ट जैसी सुविधाएँ एकीकृत रूप से उपलब्ध कराई जाएंगी। यह प्लेटफॉर्म लचीले स्वामित्व और उपयोग मॉडल के माध्यम से इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स तक ऑन-डिमांड एक्सेस प्रदान करता है। यह उन व्यक्तियों के लिए भी उपलब्ध है जो ईवी को स्वयं के उपयोग के लिए खरीदना चाहते हैं या इसे अन्य ऑपरेटर्स के उपयोग हेतु उपलब्ध कराना चाहते हैं।

टाटा मोटर्स ने अगली पीढ़ी के 17 ट्रकों को लॉन्च किया

नई दिल्ली : भारतीय ट्रकिंग के परिदृश्य को बदलने वाले एक ऐतिहासिक कदम में, टाटा मोटर्स, भारत का सबसे बड़ा वाणिज्यिक वाहन निर्माता और मोबिलिटी समाधान प्रदाता, ने आज 7 से 55 टन तक की क्षमता वाले 17 ट्रकों का अपना अगली पीढ़ी का पोर्टफोलियो लॉन्च किया, जो सुरक्षा, लाभ और प्रगति में नए मानक स्थापित करता है। यह व्यापक लॉन्च नई अजुरा सीरीज, अत्याधुनिक टाटा ञ्जह्लस्ष्ह्य.द्द1 रेंज, और मशहूर प्राइमा, सिग्ना तथा अल्ट्रा प्लेटफॉर्म्स में महत्वपूर्ण अपग्रेड पेश करता है। ये ट्रक दुनिया के कड़े सुरक्षा नियमों (ECE R29 03) के हिसाब से बने हैं और इनका मकसद ट्रांसपोर्टर्स की बचत बढ़ाना, रखरखाव का खर्चा कम करना और काम को आसान बनाना है। नए ट्रकों को लॉन्च करते हुए, श्री गिरीश वाघ, एमडी एवं सीईओ, टाटा मोटर्स लिमिटेड ने कहा, भारत में ट्रकिंग का क्षेत्र सरकारी नीतियों, बेहतर सड़कों और सुरक्षित व साफ-सुथरे ट्रांसपोर्ट की मांग के कारण तेजी से बदल रहा है। टाटा मोटर्स ने हमेशा से इस बदलाव में आगे रहकर नए बेंचमार्क स्थापित किए हैं जोकि इंडस्ट्री के भविष्य को आकार देते हैं। इसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए हमने अपनी अगली पीढ़ी के ट्रक पेश किए हैं, जिनमें नई अजुरा सीरीज, दो उन्नत शक्तिशाली उच्च दक्षता पावरट्रेन, भारत के व्यापक जीरो एमिशन वाले इलेक्ट्रिक ट्रकों की रेंज और हमारे नए I-MOEV आर्किटेक्चर पर आधारित टिपर रेंज और यूरोपीय मानकों वाले कैबिन एवं उद्योग में अग्रणी सुरक्षा फीचर्स, ज्यादा पेलोड और ईंधन दक्षता में उल्लेखनीय अपग्रेड शामिल हैं। इन ट्रकों को फ्लीट एज डिजिटल सेवाओं से भी जोड़ा गया है ताकि इन्हें चलाना और ट्रैक करना आसान हो। हमारा हमेशा बेहतर करने (बेटर ऑलवेज़) का विचार हमें हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। हम नई चीजें बनाने में लगातार मेहनत करते हैं, स्थानीय उत्पादन पर ज्यादा ध्यान देते हैं, और ग्राहकों की सफलता पर मजबूती से फोकस रखते हैं। ये सब आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करते हैं, जो भारत को आत मनिर्भर बनाने में मदद करता है और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन में लीडर बनने की इच्छा को मजबूत करता है।

ईरान पर हमले की तैयारी! पेंटागन मध्य-पूर्व में दूसरा विमानवाहक युद्धपोत भेजेगा

वॉशिंगटन, एजेंसी। एक अमेरिकी अखबार ने बुधवार को तीन अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि पेंटागन ने एक और विमानवाहक युद्धपोत स्ट्राइक ग्रुप को मध्य-पूर्व में तैनाती के लिए तैयार रहने का आदेश दिया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब अमेरिका ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई की तैयारी कर रहा है और क्षेत्र में तनाव लगातार बढ़ रहा है। यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से लंबी बैठक की। दोनों नेताओं के बीच बातचीत ऐसे समय हुई जब ईरान को लेकर अमेरिका और इजरायल की चिंता बढ़ी हुई है और वॉशिंगटनङ्कतेहरान के बीच परमाणु समझौते पर बातचीत चल रही है। मंगलवार को ट्रंप ने कहा था कि अगर ईरान के साथ बातचीत असफल होती है, तो वह मध्य-पूर्व में दूसरा

विमानवाहक युद्धपोत भेजने पर विचार कर रहे हैं ताकि जरूरत पड़ने पर सैन्य कार्रवाई की जा सके। अखबार ने एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से कहा कि यदि अंतिम आदेश मिलता है, तो युद्धपोत को रवाना करने का फैसला कुछ ही घंटों में लिया जा सकता है। हालांकि अधिकारियों ने यह भी साफ किया कि अभी तक ट्रंप ने औपचारिक रूप से तैनाती का आदेश नहीं दिया है और हालात बदलने पर योजना में बदलाव भी हो सकता है। अगर दूसरा युद्धपोत भेजा गया, तो वह पहले से मौजूद यूएसएस अब्राहम लिंकन के साथ शामिल होगा, जो पहले से ही मध्य-पूर्व में तैनात है। एक अधिकारी ने बताया कि पेंटागन अगले दो हफ्तों के भीतर एक और विमानवाहक युद्धपोत भेजने की तैयारी कर रहा है, जो संभवतः अमेरिका के पूर्वी तट से रवाना होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, यूएसएस जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश इस समय वर्जीनिया के तट के पास सैन्य अभ्यास कर रहा है और जरूरत पड़ने पर अपने अभ्यास को जल्दी खत्म कर सकता है। व्हाइट हाउस में ट्रंप और नेतन्याहू की मुलाकात करीब तीन घंटे चली। बैठक के बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर लिखा कि कोई अंतिम समझौता नहीं हुआ, लेकिन उन्होंने ईरान के साथ बातचीत जारी रखने पर जोर दिया।

नाटो के काम करने के तरीके पर सवाल उठाए

ब्रिक्स में चलती है आम सहमति, नाटो में सिर्फ अमेरिका की मजीः रूसी विदेश मंत्री

मास्को, एजेंसी। लावरोव ने एक बयान में कहा कि ज्यादातर मामलों में अंतरराष्ट्रीय समझौतों का पालन किया जाता है। ब्रिक्स जैसे समूहों में आम सहमति ज्यादातर बनी रहती है। हालांकि उनके मुताबिक नाटो में फैसले आसानी से नहीं लिए जा सकते।

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने हाल ही में अमेरिका और पश्चिमी देशों के समूह नाटो के काम करने के तरीके पर सवाल उठाते हुए उन पर निशाना साधा है। लावरोव ने कहा है कि ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) ज्यादातर मामलों में सर्वसम्मति के आधार पर फैसले करते हैं, जबकि नाटो के फैसले अमेरिका पर निर्भर करते हैं।

लावरोव ने रूस के एक यूट्यूब चैनल एमपाशिया मनुची प्रोजेक्ट के साथ बातचीत में कहा, 'ज्यादातर मामलों में अंतरराष्ट्रीय समझौतों का पालन किया जाता है। जब बात हमारे पश्चिमी

साथियों की हो तब नहीं, बल्कि जब उन प्रतिनिधियों की होती है जिन्हें हम वैश्विक बहुमत कहते हैं। ब्रिक्स, एससीओ, और सोवियत के बाद वाले सीएसटीओ, ईएईयू, और सीआईएस जैसे समूहों में आम सहमति ज़्यादातर बनी रहती है।' उन्होंने कहा, ' यहां आप नाटो की तरह आसानी से फैसले नहीं ले सकते, जहां अमेरिकी कहते हैं 'चुप रहो' और सबको पता है कि यह सब कैसे काम करता है।

फाइट क्लब बनी तुर्किये की संसद

न्याय मंत्री की नियुक्ति पर सांसदों में चले लात-घूंसे

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये की संसद बुधवार को जंग का मैदान बन गई और सत्ता और विपक्षी सांसदों के बीच जमकर लात घूंसे चले। दरअसल कैबिनेट में बदलाव के तहत न्याय मंत्री के पद पर एकिन गुरलेक को शपथ दिलाई जा रही थी, जिसका विपक्षी पार्टियों द्वारा विरोध किया जा रहा था। विपक्षी सांसदों ने एकिन गुरलेक को शपथ लेने से रोकने की कोशिश की, जिस पर सत्ताधारी पार्टी एके के सांसद और विपक्षी सांसदों में बहस होने लगी। थोड़ी ही देर में यह बहस हिंसक हो गई और सांसदों ने एक दूसरे पर हमला कर दिया। हमले के दौरान जमकर लात घूंसे चले और खूब धक्का मुक्की हुई। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। एकिन गुरलेक एक विवादित व्यक्ति हैं और उन्हें राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन का करीबी माना जाता है। आरोप है कि गुरलेक ने विपक्षी नेताओं के खिलाफ हाई प्रोफाइल ट्रायल्स की सुनवाई की है। हालांकि विपक्ष का मानना है कि गुरलेक के फैसले राजनीति से प्रभावित थे। लड़ाई झगड़े के बाद संसद की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। हालांकि सदन की कार्यवाही फिर से शुरू होने के बाद एकिन गुरलेक ने विपक्षी विरोध के बावजूद न्याय मंत्री पद की शपथ ली। मेयर और राष्ट्रपति एर्दोगन के सबसे बड़े विरोधी इमामोग्लू के खिलाफ गुरलेक ने ही अभियोग दायर किया था। इमामोग्लू पर भ्रष्टाचार और संगठित अपराध से जुड़े 142 अपराधों का आरोप लगाया गया।

बैठक खत्म होने पर ट्रंप बोले- ईरान के साथ जारी रहेगी बातचीत

ईरान के साथ बातचीत जारी रहेगी, खास मुद्दों पर बातचीत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच व्हाइट हाउस में एक अहम मीटिंग हुई। मीटिंग करीब तीन घंटे तक चली, जिसमें ईरान न्यूक्लियर डील समेत कई दूसरे गंभीर मुद्दों पर डिटेल में बातचीत हुई।

मीटिंग खत्म होने के बाद ट्रंप ने कहा कि न्यूक्लियर डील पर ईरान के साथ बातचीत जारी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ मीटिंग बहुत अच्छी रही। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया कि फिलहाल किसी भी मुद्दे पर कोई आखिरी फैसला नहीं हुआ है।

इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू खास तौर पर ईरान मुद्दे और दूसरे क्षेत्रीय हालात पर बातचीत करने के लिए व्हाइट हाउस पहुंचे थे। दोनों नेताओं के बीच हुई इस लंबी बातचीत को अंतराष्ट्रीय स्तर पर बहुत जरूरी माना जा रहा है। ट्रंप ने अपने ट्रूथ सोशल मीडिया पर लिखा,मैंने अभी-

अभी इज़राइल के प्राइम मिनिस्टर नेतन्याहू और उनके कई रिप्रेजेंटेटिव्स के साथ मीटिंग खत्म की है। यह बहुत अच्छी मीटिंग थी, हमारे दोनों देशों के बीच ज़बरदस्त रिश्ते बने हुए हैं। कोई पक्की बात नहीं हुई, सिवाय इसके कि मैंने ज़ोर दिया कि ईरान के साथ बातचीत जारी रहे ताकि यह देखा जा सके कि डील हो सकती है या नहीं। अगर हो सकती है, तो मैंने प्राइम मिनिस्टर को बता दिया है कि यह उनकी पसंद होगी। अगर नहीं हो सकती, तो हमें बस यह देखना होगा कि नतीजा क्या होता है। पिछली बार ईरान ने तय किया था कि उनके लिए डील न करना ही बेहतर है, और उन्हें मिडनाइट हैमर से चोट लगी थी – यह उनके लिए ठीक नहीं रहा। उम्मीद है कि इस बार वे ज़्यादा समझदार और ज़िम्मेदार होंगे। इसके अलावा, हमने गाज़ा और आम तौर पर इस इलाके में हो रही ज़बरदस्त तरक्की पर भी बात की। मिडिल ईस्ट में सच में शांति है। इस मामले पर ध्यान देने के लिए आपका धन्यवाद!

गौरतलब है कि ट्रंप प्रशासन जहां ईरान के साथ बातचीत जारी रखने की बात कर रहा है, वहीं प्रशासन द्वारा ओबामा की क्लाइमेट पॉलिसी को रद्द करने जैसे कई दूसरे बड़े फैसले भी ले रहा है।

कनाडा के स्कूल गोलीकांड में आरोपी की पहचान

मानसिक समस्याओं से जूझ रही 18 साल की युवती निकली हमलावर

ओटावा, एजेंसी। कनाडा की पुलिस ने मंगलवार को हुए भयावह स्कूल गोलीकांड के आरोपी की पहचान कर ली है। जांच में सामने आया है कि हमला करने वाली एक 18 साल की महिला थी, जो लंबे समय से मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थी।

पुलिस ने बताया कि आरोपी का नाम जेसी वैन रूटसेलार था। गोलीबारी के बाद उसने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। यह घटना कनाडा के प्रशांत प्रांत ब्रिटिश कोलंबिया के दूरदराज इलाके टम्बलर रिज में स्थित एक स्कूल में हुई थी।

शुरुआत में पुलिस ने 10 लोगों की मौत की जानकारी दी थी, लेकिन बाद में जांच के बाद मृतकों की संख्या घटाकर 9 कर दी गई। पुलिस ने यह स्पष्ट नहीं किया कि शुरुआती आंकड़े में गलती कैसे हुई, लेकिन पुष्टि की कि कुल नौ लोग मारे गए हैं।

ब्रिटिश कोलंबिया में रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस के कमांडर और डिप्टी कमिश्नर ड्वेन मैकडोनाल्ड ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पुलिस पहले भी आरोपी के घर जा चुकी थी। उन्होंने कहा,हमारे रिकॉर्ड बताते हैं कि इस परिवार के घर पर पहले भी कई बार पुलिस को बुलाया गया था। इनमें से कुछ मामलों का संबंध मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से था। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि क्या उन

शिकायतों का सीधे तौर पर स्कूल हमले से संबंध था।

घटना के बाद कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी बेहद भावुक नजर आए। उन्होंने इसे भयानक और दिल दहला देने वाली घटना बताया। उन्होंने कहा कि यह कनाडा के इतिहास के सबसे दुखद दिनों में से एक है और देश मिलकर इस त्रासदी से उबरने की कोशिश करेगा। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना जताई और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। यह गोलीकांड कनाडा के इतिहास के सबसे घातक स्कूल हमलों में से एक माना जा रहा है। कनाडा में अमेरिका की तुलना में कहीं अधिक सख्त बंदूक कानून हैं। यहां आम नागरिकों को हथियार रखने के लिए लाइसेंस लेना पड़ता है, कड़ी जांच होती है और नियम सख्त हैं। इसके बावजूद इस तरह की घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है।

● आखिर वॉट्सऐप से इतनी नाराजगी क्यों?

करोड़ों यूजर्स के बीच मचा हड़कंप, रूस ने व्हाट्सएप बंद करने का किया ऐलान!

मास्को एजेंसी। रूस और अमेरिकी टेक दिग्गजों के बीच चल रही डिजिटल जंग अब अपने सबसे कड़े दौर में पहुंच गई है। ताजा हालात ये हैं कि दुनिया के सबसे पॉपुलर मैसेजिंग ऐप व्हाट्सएप पर रूस ने पूरी तरह से शिकंजा कस दिया है। कंपनी ने खुद इस बात की तस्दीक की है कि रूसी सरकार ने उनकी सेवाओं को पूरी तरह ठप करने की कोशिश की है। हालांकि, कंपनी का कहना है कि वे अपने यूजर्स को जोड़े रखने के लिए तकनीकी रास्ते तलाश रहे हैं, लेकिन हकीकत ये है कि रूस के करीब 10 लाख यूजर्स के लिए फिलहाल संपर्क करना नामुमकिन जैसा हो गया है।

इस पूरी सख्ती के पीछे की कहानी यूक्रेन युद्ध और रूस की अपनी डिजिटल संप्रभुता से जुड़ी है। रूसी सरकार चाहती है कि उसके नागरिक अमेरिकी ऐप्स के बजाय स्वदेशी ऐप का इस्तेमाल करें। हालांकि, जानकार इसे सरकार की एक चाल मान रहे हैं ताकि वे अपने नागरिकों की हर हरकत पर नजर रख सकें। रूस

का आरोप है कि वॉट्सऐप और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म धोखाधड़ी और संदिग्ध गतिविधियों में शामिल लोगों का डेटा सुरक्षा एजेंसियों के साथ साझा नहीं कर रहे हैं।

सिर्फ वॉट्सऐप ही नहीं, निशाने पर और भी हैं

डिजिटल पाबंदियों की ये लिस्ट काफी लंबी है। रूस ने पहले ही वॉट्सऐप और टेलीग्राम की कॉलिंग सर्विस पर ताला लगा दिया था। इतना ही नहीं, दिग्गज कंपनी ऐप्पल का फेसटाइम और युवाओं का पसंदीदा स्नेपचेट भी रूस की ब्लैकलिस्ट में शामिल हो चुके हैं। सरकार का सीधा तर्क है कि इन ऐप्स का इस्तेमाल आतंकी साजिशों और फ्रॉड के लिए किया जा रहा है, इसलिए सुरक्षा के लिहाज से इन्हें बंद करना ही बेहतर है।

क्या सुलह की कोई गुंजाइश बाकी है?

क्रेमलिन (रूसी राष्ट्रपति कार्यालय) ने साफ कर दिया है कि गेंद अब मार्क जुकरबर्ग की कंपनी मेटा के पाले में है। रूसी प्रवक्ता का कहना है कि अगर मेटा रूस के कानूनों को मानती है और अधिकारियों के साथ सहयोग करने को तैयार होती है, तो बैन हटाने पर विचार किया जा सकता है। लेकिन जब तक अमेरिकी कंपनी रूसी शर्तों के आगे नहीं झुकती, तब तक वहां वॉट्सऐप के लौटने के आसार न के बराबर हैं।

एक्सिस मैक्स लाइफने इंडीविजुअल एडजस्टेड फर्स्ट ईयर प्रीमियम में 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले 9 महीनों में मैक्स फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का निवेश आय के अतिरिक्त कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 24,625 करोड़ रुपये रहा। इसमें सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। समीक्षाधीन अवधि में निवेश आय समेत कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 36,891 करोड़ रुपये और कंसोलिडेटेड कर पश्चात लाभ 137 करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष के शुरुआती 9 महीनों में निजी जीवन बीमा उद्योग की गति को पीछे छोड़ते हुए एक्सिस मैक्स लाइफइंश्योरेंस लिमिटेड ने नए बिजनेस में 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की और यह 6,396 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एक्सिस मैक्स लाइफके मैनेजिंग डायरेक्टर एवं चीफएक्जीक्यूटिव ऑफिसर सुमित मदान ने कहा, 'चालू वित्त वर्ष के शुरुआती 9 महीनों में एक्सिस मैक्स लाइफके प्रदर्शन से अनुशासन एवं निरंतरता के साथ लागू की गई सटीक रणनीति की ताकत नजर आती है। हमने निजी जीवन बीमा उद्योग को पीछे छोड़ते हुए दोहरे अंकों में विकास दर्ज किया है और टॉप 10 बीमाकर्ताओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाली कंपनी के रूप में उभरे हैं। साथ ही हमने सेक्टर में सबसे ज्यादा मार्केट शेयर हासिल किया है। यह विकास इंडीविजुअल एडजस्टेड फर्स्ट ईयर प्रीमियम और वैल्यू ऑफन्यू बिजनेस की मजबूती से संभव हुआ है। इसे विभिन्न प्रोप्रिएटरी चैनल्स में व्यापक विस्तार से भी मदद मिली है।' 'हमारे एजेंसी वर्टिकल भी उद्योग में सबसे तेजी से विकास करने वालों में शुमार हैं। स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप बिजनेस में लगातार मूमेंटम से भी इसे गति मिली है। जैसे-जैसे हम विस्तार कर रहे हैं, निवेशकों एवं ग्राहकों को बेहतर वैल्यू देने की हमारी प्रतिबद्धता मजबूत हुई है। लगातार डिजिटल इनोवेशन के माध्यम से ग्राहकों का अनुभव बेहतर करते हुए हम लगातार अपनी प्रतिस्पर्धी क्षमता को बढ़ा रहे हैं। यह लंबी अवधि में विकास करने और मार्केट लीडरशिप के मामले में हमारा प्राइमरी इंजन बना हुआ है।'

कैंसर से जंग हारा फेमस एक्टर जेम्स वैन, 48 की उम्र में हुआ निधन

लास एंजिल्स एजेंसी। 90 के दशक में अपनी मासूमियत और अदाकारी से घर-घर में पहचान बनाने वाले मशहूर अभिनेता जेम्स वैन डेर बीक अब हमारे बीच नहीं रहे। महज 48 साल की उम्र में उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया है। लंबे समय से कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से जूझ रहे जेम्स ने 11 फरवरी, बुधवार की सुबह अंतिम सांस ली। उनके जाने की खबर ने न केवल हॉलीवुड बल्कि दुनियाभर में उनके फैंस को गहरे सदमे में डाल दिया है। परिवार ने एक भावुक संदेश के जरिए इस अपूरणीय क्षति की जानकारी साझा की है।

जेम्स के परिवार ने बताया कि उन्होंने अपनी जिंदगी के आखिरी पलों को बहुत ही गरिमा और साहस के साथ जिया। साल 2023 में उन्हें अपनी बीमारी का पता चला था। शुरुआत में उन्होंने इस दर्द को निजी रखा, लेकिन बाद में अपने प्रशंसकों के साथ इसे साझा किया। जेम्स की हिम्मत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कैंसर से लड़ने और इलाज का खर्च उठाने के लिए उन्होंने अपनी सबसे यादगार फिल्मों

और शोज की निशानियों तक को नीलाम कर दिया था। भारी तकलीफ के बावजूद वे सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी मुस्कुराती तस्वीरें डालते थे, ताकि उनके चाहने वाले परेशान न हों।

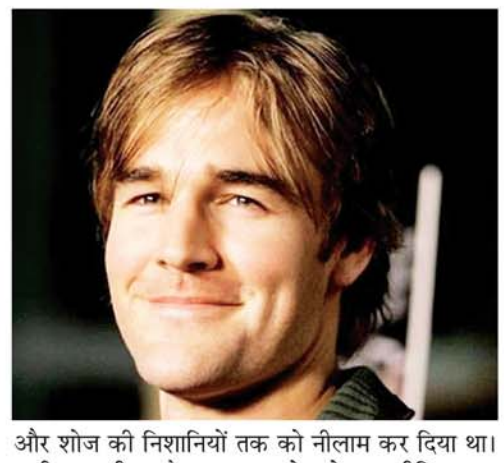

महज 13 साल की छोटी सी उम्र में एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने वाले जेम्स को असली शोहरत डॉसन्स क्रीक सीरियल से मिली। इस शो में उनके डावसन लीरी के किरदार ने उन्हें रातों-रात ग्लोबल आइकन बना दिया था। इसके बाद उन्होंने वॉरसिटी ब्लूज और स्केरी मूवी जैसी कई फिल्मों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। वे सिर्फ एक अभिनेता नहीं, बल्कि एक पूरी पीढ़ी के लिए टीन पोस्टर बॉय थे, जिनकी सादगी और अभिनय का हर कोई कायल था।

फैंस और इंडस्ट्री में शोक की लहर

जेम्स के निधन की खबर मिलते ही सोशल मीडिया पर शोक संवेदनाओं का तांता लग गया है। लोग उन्हें एक बेहतरीन कलाकार के साथ-साथ एक बेहद नेक दिल इंसान के रूप में याद कर रहे हैं। रेडिट से लेकर इंस्टाग्राम तक, हर जगह उनके फैंस उनकी पुरानी यादें साझा कर रहे हैं। हॉलीवुड ने आज एक ऐसा सितारा खो दिया है जिसकी कमी कभी पूरी नहीं की जा सकेगी। जेम्स भले ही चले गए हों, लेकिन पर्दे पर उनकी वो बेमिसाल अदाकारी हमेशा जिंदा रहेगी।

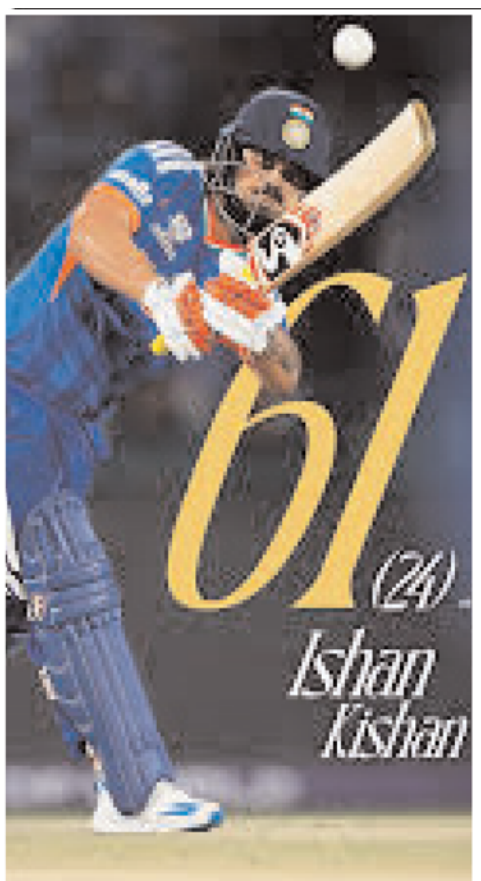

चक्रवर्ती को 3 विकेट, ईशान-पंड्या की फिफ्टीग्रुप-ए के टॉप पर

भारत लगातार दूसरा मैच जीता, नामीबिया 93 रन से हारा

दिल्ली। भारत ने नामीबिया को 93 रन से हरा दिया। गुरुवार को दिल्ली में खेले गए टी20 विश्व कप के ग्रुप मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट पर 209 रन बनाए। जवाब में नामीबिया की टीम 18.2 ओवर में 10 विकेट पर 116 रन ही बना सकी।

पाक को धकेला; ईशान-हार्दिक और वरुण चमके

भारत ने नामीबिया को 93 रन से हरा दिया। गुरुवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए टी20 विश्व कप के ग्रुप मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ईशान किशन और हार्दिक पांड्या की दमदार अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में नौ विकेट पर 209 रन बनाए। जवाब में नामीबिया की टीम 18.2 ओवर में 10 विकेट पर 116 रन ही बना सकी।

अगर संजू सैमसन की पारी कुछ पलों की चमक जैसी थी, तो ईशान किशन की बल्लेबाजी पूरी फिल्म की तरह रोमांच से भरी रही। किशन ने 24 गेंदों में 61 रन ठोक डाले। उन्होंने महज 20 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जिसमें पांच छक्के और छह चौके शामिल थे। नामीबिया के गेंदबाजों ने जैसे ही लंबाई में जरा सी चूक की, किशन ने पूरी ताकत से गेंद को स्टैंड्स के पार पहुंचा दिया। उनकी तेजतर्रार बल्लेबाजी ने भारत को तेज शुरुआत दिलाई और बड़े स्कोर की मजबूत नींव रखी।

लगातार दूसरी जीत से शीर्ष पर पहुंचा भारत

मौजूदा टूर्नामेंट में यह भारत की लगातार दूसरी जीत है। इससे पहले टीम ने टी20 विश्व कप के अपने पहले मैच में अमेरिका को हराकर शानदार तरीके से अभियान की शुरुआत की थी। अब भारत की नजरें रविवार (15 फरवरी) को पाकिस्तान के खिलाफ मैच पर है। यह मुकाबला दोनों ही टीमों के लिए हाई-प्रेशर वाला होगा। बता दें कि, इस जीत के साथ भारत ने ग्रुप ए की अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। वहीं, पाकिस्तान दूसरे पायदान पर खिसक गया।

ईशान किशन की विस्फोटक पारी

टी20 विश्व कप के ग्रुप मुकाबले में भारत ने नामीबिया के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 209 रन का बड़ा स्कोर बनाया। भारतीय पारी में ईशान किशन और हार्दिक पांड्या ने तूफानी अर्धशतक जड़े, जबकि नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरेस्मस ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट हासिल कर मैच में रोमांच बनाए रखा।

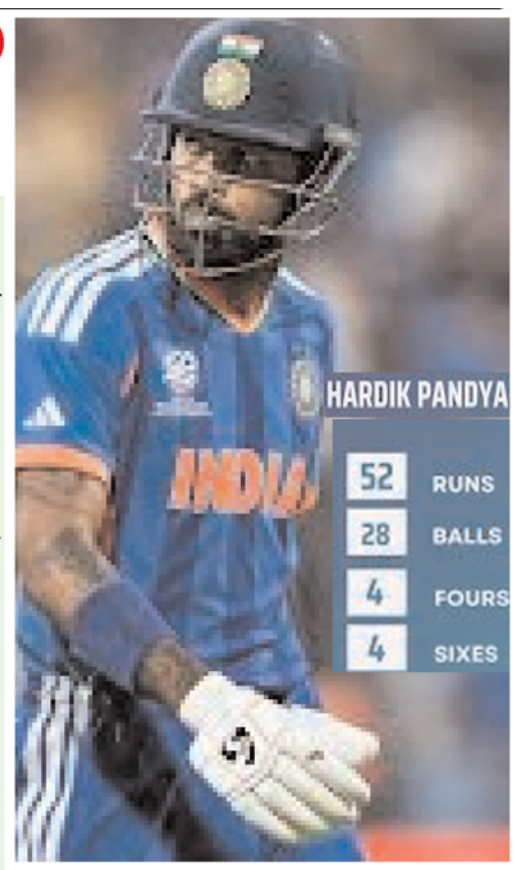

ब्रीफ न्यूज

आईसीसी ने नबी पर जुर्माना लगाया

अहमदाबाद। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के बल्लेबाज मोहम्मद नबी पर आचार संहित उल्लंघन के मामले में जुर्माना लगाया है। नबी पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए मैच में आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह नियम अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के निर्देश को न मानने से जुड़ा है। जुर्माने के अलावा नबी के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक नकारात्मक अंक भी जोड़ा गया है। पिछले 24 महीने में उनकी यह पहली गलती थी।

यह मामला अफगानिस्तान की पारी के 14वें ओवर का है जब नबी की अंपायरों के साथ गेंदबाज लुंगी एनगिडी के कलाई बैंड को लेकर बहस हो गयी। नबी ने अपनी गलती मान ली है और एमिरेट्स आईसीसी अंतर्राष्ट्रीय पैनल ऑफ मैच रेफरी के डेविड गिल्बर्ट की सजा को भी स्वीकार कर लिया है। ऐसे में आईसीसी की ओर से किसी औपचारिक सुनवाई की कोई जरूरत नहीं लगी है। । इससे पहले मैदानी अंपायर जयरामन मदनगोपाल और शरफुद्दौला इब्ने शाहिद, थर्ड अंपायर नितिन मेनन और चौथे अंपायर के.एन. अनंथापद्मनाभन ने नबी पर आरोप लगाए थे। लेवल 1 के उल्लंघन के लिए आधिकारिक फटकार के अलावा खिलाड़ी की मैच फीस का 50 फीसदी जुर्माना और एक या दो नकारात्मक अंक दिये जाते हैं।

इरफान पठान ने दक्षिण अफ्रीका-अफगानिस्तान मैच को टी20 विश्वकप विश्व कप का सबसे अच्छा मैच बताया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के बीच हुआ टी20 विश्वकप मुकाबला सबसे अच्छे मैचों में से एक है। पठान ने कहा, यह इस विश्व कप के सबसे अच्छे मैचों में से एक था, इसमें कोई संदेह नहीं। इसमें जिस प्रकार दो सुपरओवर हुए वह इसके रोमांच को बताने के लिए काफी है। इस मैच में वह सब था जो लोग देखना चाहते थे। पठान ने कहा, गेंदबाजों ने दबाव में यॉर्कर फेंकने के प्रयास किये पर वे असफल रहे। वहीं जब उन्होंने तेज गेंदबाजी की तो रन गये। जब उन्होंने धीमी गेंद फेंकी, तो उन्होंने मुश्किल खड़ी की और विकेट लिए। इस मैच के दूसरे सुपर ओवर में केशव महाराज की अंतिम गेंद काफी अच्छी थी। वह गुरबाज से दूर रहे, वाइड लाइन पर गेंदबाजी की, और पहले वाइड गेंद फेंकने के बाद अपनी को संभाला। इससे उनकी क्लास का पता चलता है। सच में एक रोमांचक मुकाबला था।

इस मैच में टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने 187 रन बनाए जबकि अफगानिस्तान टीम 19.4 ओवर में 187 रन ही बना पायी। पहले सुपर ओवर हुआ में अफगानिस्तान ने 17 रन बनाये जवाब में अफ्रीका के ट्रिस्टन स्टब्स ने ओवर की आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर अपनी टीम के 17 पर पहुंचा दिया। इसके बाद दूसरा सुपर ओवर हुआ। इसमें दक्षिण अफ्रीका ने पहले खेलते हुए 23 रन बनाए।

श्रीलंका की दूसरी सबसे बड़ी जीत :ओमान को 105 रन से हराया

मेंडिस, रत्नायके और शनाका की फिफ्टी, चमीरा-तीक्षणा को 2-2 विकेट

पल्लेकेलें। श्रीलंका ने पल्लेकेले में खेले गए टी20 विश्वकप 2026 के 16वें मैच में ओमान को 105 रन से हरा दिया है। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में श्रीलंका की दूसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले 2007 में श्रीलंका ने केन्या को जोहानिसबर्ग में 172 रन से शिकस्त दी थी। वहीं, कप्तान दासुन शनाका ने भी टी20 में श्रीलंका के लिए सबसे तेज अर्धशतक जड़ा। श्रीलंका की यह लगातार दूसरी जीत है जिससे वह चार अंक लेकर ग्रुप बी में शीर्ष पर पहुंच गया है। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे, आयरलैंड और ओमान का नंबर आता है। ओमान को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। श्रीलंका के सुपर-8 में पहुंचने की उम्मीदें प्रबल हो गई हैं। ओमान के कप्तान जतिंदर सिंह ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था।

कप्तान शनाका ने बनाया रिकॉर्ड

श्रीलंका की पारी

श्रीलंका ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 225 रन बनाए। मेंडिस (45 गेंद पर 61 रन), रत्नायके (28 गेंद पर 60) और शनाका (20 गेंद पर 50) ने ओमान के कमजोर गेंदबाजी आक्रमण के धुर्रे उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जितेन रामानंदी ओमान के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 41 रन देकर दो विकेट लिए। उनके अलावा जय ओडेरा और सुफयान महमूद ने एक एक विकेट लिया। महमूद ने हालांकि अपने चार ओवर में 60 रन लुटाए।

मेंडिस ने अपनी अच्छी फॉर्म जारी रखी जबकि रत्नायके और शनाका ने महत्वपूर्ण समय पर अपनी लय हासिल की। आयरलैंड के खिलाफ केवल पांच रन बनाकर आउट होने वाले रत्नायके ने 24 गेंद पर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने अपनी पारी में आठ चौके और एक छक्का लगाया।

इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने 12वें ओवर में तेज गेंदबाज जितेन रामानंदी पर पारी का पहला छक्का लगाया

सुफयान महमूद को लगातार तीन चौके लगाकर यह अपना अर्धशतक पूरा किया। रत्नायके और मेंडिस ने केवल 52 गेंद पर 94 रन की साझेदारी की। मेंडिस ने भी अपना लगातार दूसरा और कुल मिलाकर 19वां अर्धशतक लगाया। उनकी पारी में सात चौके शामिल हैं। वह आखिरी ओवर से ठीक पहले रन आउट हो गए।

इस टूर्नामेंट से पहले रन बनाने के लिए जूझ रहे शनाका ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का शानदार नमूना पेश किया और केवल 19 गेंद पर अर्धशतक पूरा किया जो श्रीलंका की तरफ से टी20 विश्व कप में नया रिकॉर्ड है। इससे पहले भी श्रीलंका की तरफ से सबसे तेज टी20 अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड शनाका के नाम ही था। दाएं हाथ के इस विस्फोटक बल्लेबाज ने 2023 में पुणे में भारत के खिलाफ 20 गेंद पर अर्धशतक लगाया था। शनाका ने अपनी पारी में दो चौके और पांच छक्के लगाए।

शनाका ने नदीम खान पर चौका और लगातार दो छक्के लगाए और फिर सुफयान महमूद पर लगातार छक्के जड़कर अपना अर्धशतक पूरा किया। शनाका और मेंडिस 19वें ओवर में लगातार गेंदों पर आउट हो गए। कामिंदु मेंडिस (नाबाद 19) ने शाह फैसल को लगातार दो छक्के लगाकर पारी का शानदार अंत किया। श्रीलंका ने आखिरी चार ओवरों में 65 रन बनाकर मौजूदा संस्करण में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया।

रणजी ट्रॉफी के लिए विजयकुमार की कर्नाटक टीम में वापसी

बेंगलुरु। कर्नाटक ने तेज गेंदबाज वैसाख विजयकुमार को उत्तराखंड के खिलाफ होने वाले रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के लिए अपनी टीम में शामिल कर लिया है। सेमीफाइनल मुकाबला 15 फरवरी से लखनऊ में खेला जाएगा। वैसाख चोटिल होने के कारण पिछले दो दौर से टीम के साथ नहीं थी। अब जबकि वह फिट हो गये हैं। टीम ने राहत की सांस ली है। उनके आने से टीम की गेंदबाजी बेहतर होगी। अब विजयकुमार को 15 सदस्यीय टीम में जगह मिल गयी है। उन्हें तेज गेंदबाज एम वेंकटेश की जगह टीम में शामिल किया गया है। टीम में अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा भी शामिल हैं। इसके अलावा बल्लेबाजी की जिम्मेदारी मयंक अग्रवाल, करुण नायर पर भी रहेगी। टीम की कप्तानी देवदत्त पडिक्कल करेंगे। पूर्व क्रिकेटर येरे गौड़ की कोचिंग में आठ बार की विजेता रही कर्नाटक ने क्वार्टरफाइनल में मुंबई को चार विकेट से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया है।

कर्नाटक टीम

देवदत्त पडिक्कल (कप्तान), मयंक अग्रवाल, केएल राहुल, केवी अनीश, करुण नायर, आर स्मरण, श्रेयस गोपाल, कृतिक कृष्णा, विद्वथ कावेरप्पा, विद्याधर पाटिल, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहसिन खान, शिखर शेट्टी, केएल श्रीजीत, वैसाख विजयकुमार।

राशिद ने सबसे अधिक विकेट के मामले में अक्षर और चहल को पीछे छोड़ा

मुम्बई। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान राशिद खान भारत में 50 विकेट लेने वाले विश्व के पहले गेंदबाज बन गये हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मैच में 2 विकेट लेने के साथ ही राशिद ने ये उपलब्धि हासिल की। वे अब भारतीय सरजमी पर टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 50 विकेट हासिल करने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इस दौरान अक्षर पटेल और युजवेंद्र चहल को पीछे छोड़ा।

राशिद ने अब तक भारत में टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 24 पारियां खेली हैं, जिसमें 50 विकेट हासिल किए हैं। इस दौरान उनका इकोनॉमी रेट और औसत भी अच्छा रहा है। भारत में इस प्रारुप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर स्पिनर युजवेंद्र चहल हैं। चहल भारत की धरती पर 38 पारियों में 49 विकेट हासिल किए हैं। वहीं स्पिनर अक्षर पटेल तीसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 37 पारियों में 48 विकेट लिए हैं। भारतीय धरती पर सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में अर्शदीप सिंह चौथे स्थान पर है, वहीं हार्दिक पांड्या सूची में पांचवें स्थान पर हैं। अर्शदीप ने 27 टी-20 में 43 विकेट लिए हैं। वहीं पाड्या ने 53 पारियों में 38 विकेट हासिल किए हैं। बुमराह ने 35 पारियों में 36 विकेट लिए हैं वहीं भुवनेश्वर कुमार ने 33 पारियों में 34 विकेट हासिल किए हैं। वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव भी इस सूची में शामिल हैं। चक्रवर्ती ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 16 पारियों में 33 विकेट हासिल किए हैं वहीं कुलदीप यादव के नाम 19 पारियों में 27 विकेट और रवि बिश्नोई के नाम 20 पारियों में 26 विकेट हासिल किए हैं।

रोहित का मिशन 2027 वर्ल्ड कप' बस खेलना नहीं, जीतना है'

मुंबई। टीम इंडिया को टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जिताने वाले रोहित शर्मा के दिल में वनडे विश्व कप 2023 का फाइनल में हारने का दर्द अब भी चुभता है। अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली हार ने उस ट्रॉफी को उनके लिए अधूरा सपना बना दिया है। अब रोहित खुलकर कह रहे हैं कि अगला लक्ष्य सिर्फ खेलना नहीं, जीतना है।

क्या अधूरा सपना पूरा कर पाएंगे हिटमैन

उम्र पर सवाल, जवाब फिटनेस से

टी20 और टेस्ट से संन्यास के बाद कई लोगों ने मान लिया था कि 2027 तक रोहित का सफर मुश्किल होगा, लेकिन पिछले महीनों में उन्होंने फिटनेस पर जबरदस्त काम किया, वजन घटाया और मैदान पर नई ऊर्जा के साथ लौटे। न्यूजीलैंड के खिलाफ भले रन नहीं बने, मगर ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनकी बल्लेबाजी ने फिर याद दिलाया कि बड़े मंच के खिलाड़ी अब भी जिंदा हैं।

मिशन 2027 शुरू

रोहित की बातें साफ इशारा करती हैं कि तैयारी अभी से शुरू हो चुकी है। लक्ष्य सिर्फ हिस्सा लेना नहीं, बल्कि ट्रॉफी उठाकर 2023 की टीस मिटाना है।

'देश के लिए ट्रॉफी चाहिए'

आईसीसी के एक कार्यक्रम में रोहित ने साफ कर दिया कि 2027 उनके करियर का बड़ा मिशन होगा। उन्होंने कहा, 'मैं 50 ओवर का विश्व कप देखते हुए बड़ा हुआ हूं। वही सबसे बड़ा मंच था।

मैं सच में वह ट्रॉफी चाहता हूं और उसके लिए अपनी पूरी ताकत लगा दूंगा। मैं वहां जाकर अपने देश के लिए विश्व कप जीतना चाहता हूं।' यह बयान बताता है कि रोहित के लिए यह सिर्फ टूर्नामेंट नहीं, बल्कि अधूरी कहानी का अगला अध्याय है।

मिलान में आईइस डांस फिगर स्केटिंग में पदक जीतने के बाद स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेता जोड़ियां।

मोस्का बंधुओं के तूफान में उड़ा नेपाल

इटली ने विश्व कप में दर्ज की पहली जीत

मुंबई। इटली ने नेपाल के खिलाफ अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए टी20 विश्व कप में ऐतिहासिक जीत दर्ज की। इटली ने गेंदबाजों के बाद मोस्का बंधुओं की शानदार बल्लेबाजी से नेपाल को एकतरफा अंदाज में हराया। जस्टिन मोस्का और एंथनी मोस्का की शानदार साझेदारी के दम पर इटली ने नेपाल को टी20 विश्व कप के मुकाबले में 10 विकेट से हराया। इटली ने पहली बार विश्व कप में जीत दर्ज की है और उसके लिए यह सफलता ऐतिहासिक है। इटली ने इस मुकाबले में टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया और क्रिशान कालुगमागे की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की मदद से नेपाल को सस्ते में ऑलआउट किया। नेपाल की टीम 19.3 ओवर में 123 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में मोस्का ब्रदर्स ने बेहतरीन साझेदारी की जिससे इटली ने 12.4 ओवर में बिना किसी नुकसान के 124 रन बनाकर जीत दर्ज की।

इटली ने सुपर आठ के लिए बरकरार रखी उम्मीद

इटली ने इस जीत के साथ ही सुपर आठ चरण में पहुंचने की अपनी उम्मीद बरकरार रखी है। फुटबॉल के लिए प्रसिद्ध इटली ने क्रिकेट में अपनी प्रतिभा दिखाई है। यह टीम पहली बार टी20 विश्व कप में हिस्सा ले रही है और उसने इस टूर्नामेंट में जीत का खाता भी खोल लिया है। इटली की टीम ग्रुप सी में दो मैचों में एक जीत और एक हार के साथ दो अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। वहीं, नेपाल को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा है।

मोस्का ब्रदर्स का कमाल

लक्ष्य का पीछा करते हुए जस्टिन मोस्का और एंथनी मोस्का ने शानदार बल्लेबाजी की और इटली को दमदार शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने नेपाल के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। मोस्का बंधुओं ने यह सुनिश्चित किया कि कम लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम दबाव में नहीं आए। इन दोनों बल्लेबाजों ने अर्धशतक लगाया और टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाने तक क्रीज पर टिक रहे। एंथनी 32 गेंदों पर तीन चौकों और छह छक्कों की मदद से नाबाद 62 रन और जस्टिन 44 गेंदों पर पांच चौकों और तीन छक्कों के सहारे 60 रन बनाकर नाबाद लौटे।

ग्रीष्मकालीन धान पर सख्ती : जल संकट के मद्देनज़र बेमेतरा को जल अभाव क्षेत्र घोषित, 20 ट्रांसफॉर्मर से बिजली बाधित, 45 पंप जब्त

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में इस वर्ष मात्र 552 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है, जो सामान्य औसत से काफी कम है। कम वर्षा के कारण भू-जल स्तर में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड द्वारा बेमेतरा जिले के तीन विकासखण्डों को क्रिटिकल ज़ोन घोषित किया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि समय रहते जल संरक्षण के प्रभावी उपाय नहीं किए गए, तो आगामी महीनों में पेयजल संकट और गहरा सकता है।जिला प्रशासन द्वारा पूर्व में ही कृषकों से अपील की गई थी कि वे ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर दलहन, तिलहन एवं अन्य कम पानी में तैयार होने वाली वैकल्पिक फसलों का उत्पादन करें। प्रशासन ने स्पष्ट किया था कि ग्रीष्मकालीन धान की खेती में अत्यधिक सिंचाई की आवश्यकता होती है, जिससे भू-जल दोहन बढ़ता है और पेयजल स्रोतों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके बावजूद कुछ कृषकों द्वारा निर्देशों की अनदेखी करते हुए ग्रीष्मकालीन धान की खेती की जा रही थी, जिससे जल संकट की स्थिति और अधिक गंभीर होने की आशंका बनी हुई थी।स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए कलेक्टर महोदया द्वारा पेयजल संरक्षण अधिनियम के तहत पूरे बेमेतरा जिले को जल अभाव क्षेत्र घोषित कर दिया गया है। यह निर्णय आमजन को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने और भविष्य के संकट को टालने के उद्देश्य से लिया गया है। निर्देशों के उल्लंघन पर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, राजस्व, कृषि, पुलिस, विद्युत एवं जल संसाधन विभाग की संयुक्त टीम गठित की। संयुक्त दल द्वारा जिले के गुनरबोड़, जेवरी, अमोरा, बावनलाख, भिंभौरी, अतरगढ़ी, बुढ़ा जौंग सहित कुल 7 गांवों में 20 ट्रांसफॉर्मरों से बिजली प्रवाह बाधित किया गया, ताकि अवैध रूप से की जा रही सिंचाई को रोका जा सके।इसके अतिरिक्त शिवनाथ नदी से अवैध रूप से ग्रीष्मकालीन धान की सिंचाई करते पाए जाने पर जल संसाधन विभाग के उड़नदस्ता दल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भाठासोरी, तबलखोर, परपोड़ा, ताकम, पाथरपूंजी, सिँवार, सलधा सहित कुल 16 ग्रामों में छापेमारी की। इस दौरान कुल 45 पंप जब्त किए गए। जब्त पंपों के माध्यम से नदी एवं अन्य स्रोतों से अनधिकृत जल दोहन किया जा रहा था।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई केवल दंडात्मक नहीं, बल्कि जनहित में आवश्यक कदम है। पेयजल संकट की आशंका को देखते हुए आगे भी निरंतर निरीक्षण एवं कार्रवाई जारी रहेगी। कलेक्टर महोदया ने सभी कृषकों से पुनः अपील की है कि वे जल संकट की गंभीरता को समझें, प्रशासन के निर्देशों का पालन करें तथा कम पानी वाली फसलों को अपनाकर जिले में जल संरक्षण के प्रयासों में सक्रिय सहयोग प्रदान करें।जिला प्रशासन ने यह भी संकेत दिया है कि भविष्य में यदि निर्देशों का उल्लंघन पाया गया तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विधिसम्मत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य जिले में उपलब्ध सीमित जल संसाधनों का संतुलित उपयोग सुनिश्चित करना और आम नागरिकों के लिए सुरक्षित पेयजल उपलब्धता बनाए रखना है।

पुलों के जाल से बदली कांकेर की तस्वीर, 100 गांवों को मिला बारहमासी संपर्क

कांकेर/मूक पत्रिका

कभी बरसात में कट जाने वाले रास्ते और दूर-दराज बसे गांव अब विकास की मुख्यधारा से जुड़ चुके हैं। पिछले दो वर्षों में जिले में हुए तेज़ पुल निर्माण कार्यों ने कांकेर की तस्वीर बदल दी है। अब लगभग 100 गांवों की 80 हजार से अधिक आबादी का ब्लॉक, तहसील और जिला मुख्यालय से सीधा और बारहमासी संपर्क स्थापित हो गया है। कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने बताया कि सेतु निर्माण विभाग द्वारा 61.50 करोड़ रुपये की लागत से 15 पुलों का निर्माण पूर्ण किया गया है। इन निर्माण कार्यों से माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में विकास गतिविधियों को नई गति मिली है और आम जनजीवन पहले से अधिक सुगम हुआ है। शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, पर्यटन एवं सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों को भी मजबूती मिली है।कार्यपालन अभियंता सेतु निर्माण विभाग अधिकारी राजेश सोनकर ने जानकारी दी कि शासन द्वारा 85 करोड़ रुपये की लागत से 9 नए बड़े पुलों को स्वीकृति प्रदान की गई है। इनमें बासनवाही-टांहकापार मार्ग पर महानदी पर 28 करोड़ रुपये की लागत से पुल तथा सोनपुर-मरोड़ा मार्ग पर कोटरी नदी पर 15.50 करोड़ रुपये की लागत से पुल निर्माण कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि इन पुलों के पूर्ण होने से दूरस्थ एवं माओवाद प्रभावित क्षेत्रों का सीधा संपर्क स्थापित होगा।

अधिकारियों के अनुसार, यह निर्माण कार्य न केवल आवागमन को सुगम बना रहे हैं, बल्कि जिले के सर्वांगीण विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं।

टीबी उन्मूलन की दिशा में साजा ब्लॉक के थान खम्हरिया में मितानिन प्रशिक्षण आयोजित

साजा/मूक पत्रिका

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) अंतर्गत, कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई (IAS) के आदेशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री अमृत लाल रोहडेकर, जिला क्षय नियंत्रण अधिकारी श्री बी.एल. राज तथा खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. ए.के. वर्मा के मार्गदर्शन में टीबी मुक्त पंचायत अभियान के तहत साजा विकासखंड की मितानिनों को सेक्टरवार प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

इस प्रशिक्षण में मितानिनों को टीबी के संभावित मरीजों की पहचान हेतु सर्वेक्षण करने, जांच के लिए प्रेरित करने तथा टीबी पॉजिटिव मरीजों को डॉट्स (DOTS) के माध्यम से नियमित दवा उपलब्ध कराने के संबंध में जानकारी दी जा रही है। साथ ही निक्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों को पोषण एवं सामाजिक सहयोग प्रदान करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

प्रशिक्षण उपरांत मितानिनों द्वारा अपने-अपने गांवों में सर्वे एवं जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी, जिससे अधिक से अधिक संभावित मरीजों की जांच सुनिश्चित कर टीबी मुक्त पंचायत के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ स्वदेश जायसवाल, आरएमए मनीष ठाकुर,सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर श्री पुरन दास, आशीष दुबे सहित मितानिन प्रशिक्षक एवं मितानिनें उपस्थित रहीं।

सोमनापुर नया में कक्षा दसवीं के विद्यार्थीयो को दी गई बिदाई समारोह

पंडरिया/मूक पत्रिका

शास हाई स्कूल सोमनापुर नया विकास खंड पंडरिया जिला कबीरधाम में कक्षा दसवीं के विद्यार्थीयो का सम्मान व विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की तस्वीरें पर पूजा अर्चना कर तिलक लगाकर किया गया जिसमें विद्यालय के प्राचार्य शहारुद्दीन खान ने अपने सम्बोधन में कहा कि सभी छात्र छात्राओ को जीवन में अनुशासन में रहना और नियमित परिश्रम करते हुए अपने जीवन को सफल बनाये। कार्यक्रम में कक्षा दसवीं के छात्रों कु आरती खांडे, कु अंजना साहू कु बिमला दिवाकर संस्कार सेन, प्रकाश पटेल ने अपने विद्यालयीन अनुभव साझा करते हुए गुरू जनों के प्रति अपने विचार व्यक्त किया गया और जूनियर विद्यार्थियों के द्वारा गीत, कविताभाषण,क्विज प्रतियोगिता आयोजित कर विजेता को गिफ्ट दे कर सम्मान किया गया इस अवसर पर सभी सीनियर छात्रों को दो दो पेन देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्था प्रमुख सहारुद्दीन खान महेंद्र कुमार कंठले संतोष कुमार साहू योगेश कुमार गुरुदीवान श्रीमति शकुन पाटले श्रीमति मनीषा मार्को श्रीमति इंद्राणी साहू राजपूत मैडम, पवन चांदसे भगत राम बांधकर महेश जायसवाल प्रताप सिंह राठौर कार्तिक राम खूंटे सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित हुए।

कार्यकर्ताओं के आवेदनों का हो रहा तत्काल निराकरण, प्रदेश सरकार के मंत्री सहयोग केंद्र में मिल रहे हैं कार्यकर्ताओं से

रायपुर/मूक पत्रिका

भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में शुक्रवार को वन एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने सहयोग केंद्र में कार्यकर्ताओं के द्वारा आए आवेदनों का निराकरण करने हेतु संबंधित विभागों को निर्देशित किया है। कई आवेदनों का तत्काल ही निराकरण किया गया। सहयोग केंद्र में वन एवं सहकारिता मंत्री कश्यप ने कार्यकर्ताओं के आवेदनों का निराकरण करते हुए कहा कि सहयोग केंद्र के माध्यम से कार्यकर्ताओं के आवेदनों का निराकरण लगातार किया जा रहा है।

आज सहयोग केंद्र में 111 आवेदन आए। इस दौरान सहयोग केंद्र में 350 से अधिक कार्यकर्ता पहुंचे। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रामजी भारती, प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज, सहयोग केंद्र प्रभारी सच्चिदानंद उपासने मौजूद थे।

वार्षिक उत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में दो विद्यालयों का संगम, शिक्षा और संस्कार का दिया संदेश

सूरजपुर/लटोरी/मूक पत्रिका

मोहन प्रताप सिंह :-- जिला सूरजपुर के लटोरी स्थित यू.वी. संस्कार हायर सेकंडरी स्कूल एवं संत हरिश्याम संस्कृत विद्यापीठ में वार्षिक उत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन उत्साह और गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों, सम्मान समारोह और प्रेरक उद्बोधनों ने आयोजन को यादगार बना दिया। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सुखदेवमुनि महाराज (मां काली सेवा आश्रम, लटोरी) उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व जनपद पंचायत सदस्य सुरजन सिंह शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के संस्थापक एवं शासकीय नवीन महाविद्यालय लखनपुर के प्राचार्य डॉ. एस.के. श्रीवास्तव ने की। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य डॉ. उमाशंकर यादव, संत हरिश्याम संस्कृत विद्यापीठ के प्राचार्य डॉ. रहमदिल अंसारी तथा यू. वी. संस्कार महाविद्यालय लटोरी की प्राचार्य डॉ. शिल्पी श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे।मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बालिकाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है और यह समाज के लिए सकारात्मक संकेत है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम और निरंतर अध्ययन को सफलता का आधार बताते हुए आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

विशिष्ट अतिथि सुरजन सिंह ने विद्यार्थियों को मेहनत और लगन से पढ़ाई करने का संदेश देते हुए कहा कि निरंतर प्रयास से ही पहचान बनती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह संस्था आने वाले समय में जिला सूरजपुर की अग्रणी शैक्षणिक संस्थाओं में स्थान बनाएगी।

कोंटा में 'सम्पूर्णता अभियान 2.0' की समीक्षा बैठक, विकास सूचकों पर फोकस

सुकमा/मूक पत्रिका

कलेक्टर श्री अमित कुमार के निर्देशन तथा जिला सीईओ श्री मुकुन्द ठाकुर के मार्गदर्शन में आकांक्षी विकासखंड कोंटा में गुरुवार को 'सम्पूर्णता अभियान 2.0' के अंतर्गत ÷आकांक्षी विकासखंड कोंटा कार्यक्रम की समीक्षा बैठक÷ का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम कोंटा सुभाष शुक्ला ने की। आयोजन में जनपद पंचायत कोंटा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी का विशेष सहयोग रहा। साथ ही पीपीआईए फेलो सुकमा, आकांक्षी ब्लॉक फेलो एवं पिरामल फाउंडेशन के समन्वयक की सक्रिय सहभागिता दर्ज की गई।बैठक में ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के प्रमुख सूचकों की गहन समीक्षा की गई। स्वास्थ्य विभाग को मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाएं सुदृढ़ करने, टीबी, बीपी एवं डायबिटीज की डोर-टू-डोर स्क्रीनिंग, नियमित टीकाकरण एवं वैक्सीनेशन शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही पोषण पुनर्वास एवं एनीमिया नियंत्रण पर विशेष ध्यान केंद्रित करने को कहा गया।महिला एवं बाल विकास विभाग को आंगनबाड़ी केंद्रों की गुणवत्ता सुधारने, 6 माह से 6 साल के बच्चों को न्यूट्रीशन देने, इफिशिएंसी मेजरमेंट मापन में गति लाने , कुपोषण दर में कमी लाने एवं लाभार्थियों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बालिकाओं के लिए फंक्शनल टॉयलेट की सतत निगरानी एवं साफसफाई एवं पेयजल सुविधा की उपलब्धता बढ़ाने हेतु सर्वे कर त्वरित कार्रवाई करने को कहा गया। पीएचई विभाग को पेयजल की शुद्धता के लिए सर्वे का निर्देश दिया गया।शिक्षा विभाग को छात्र उपस्थिति बढ़ाने, ड्रॉपआउट दर कम करने, अधिगम स्तर सुधारने तथा बोर्ड परीक्षाओं की बेहतर तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही स्कूलों में बालिकाओं के लिए कार्यशील शौचालय की स्थिति सुधारने पर जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त पशु चिकित्सा विभाग को एफएमडी वैक्सीनेशन कृषि, प्रधानमंत्री आवास योजना, सामाजिक एवं वित्तीय समावेशन तथा बुनियादी अधोसंरचना से जुड़ी योजनाओं की प्रगति एवं संतृप्ति की समीक्षा की गई। सभी विभागों को समयबद्ध लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करने तथा प्रत्येक माह नियमित समीक्षा बैठक में प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए, ताकि विकासखंड स्तर पर समग्र एवं सतत विकास सुनिश्चित किया जा सके।

दो नवचयनित सचिवों को मिला नियुक्ति पत्र, कलेक्टर और जिला सीईओ ने दी शुभकामनाएं

सुकमा/मूक पत्रिका

जिला मुख्यालय स्थित कलेक्टर कक्ष में शुक्रवार को एक गरिमामय कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर अमित कुमार एवं जिला पंचायत सीईओ मुकुन्द ठाकुर ने सचिव पद पर चयनित दो अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों में छिंदगढ़ विकासखंड अंतर्गत पुजारीपाली निवासी श्री अंकित कुमार मांझी तथा सुकमा विकासखंड अंतर्गत रामाराम निवासी श्री मुचाकी अनिल कुमार शामिल हैं। दोनों अभ्यर्थियों का चयन अनुसूचित जनजाति वर्ग से कोंटा विकासखंड के नियद नेल्लानार क्षेत्र में पदस्थापना हेतु किया गया है।नियुक्ति से पूर्व सभी आवश्यक नियमों एवं शर्तों की पूर्ति के उपरांत आज औपचारिक रूप से नियुक्ति पत्र जारी किए गए। इस अवसर पर कलेक्टर श्री अमित कुमार ने दोनों नवचयनित सचिवों को बधाई देते हुए कहा कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठा, पारदर्शिता और जनसेवा की भावना के साथ करें तथा क्षेत्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की।उल्लेखनीय है कि पूर्व में सचिव भर्ती के लिए सुकमा जिले में विज्ञापन जारी किया गया था। जिसके क्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा त्वरित एवं पारदर्शी प्रक्रिया अपनाते हुए भर्ती प्रक्रिया को नियत समय में सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया।

इस नियुक्ति से नियद नेल्लानार क्षेत्र में प्रशासनिक कार्यों को गति मिलने के साथ ही ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को नई मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

कुचनूर कोरंडम खदान को मिली पर्यावरण स्वीकृति, खनिज विभाग ने दी सफाई

3.70 हेक्टेयर क्षेत्र में उत्खनन की अनुमति, नियमों के पालन का दावा

बीजापुर/मूक पत्रिका

भोपालपटनम ब्लॉक के ग्राम कुचनूर स्थित कोरंडम खदान को लेकर सामने आ रहे सवालों पर जिला खनिज अधिकारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर स्थिति स्पष्ट की है। विभाग ने कहा है कि खदान को तय प्रक्रिया के तहत वैध पर्यावरण स्वीकृति मिल चुकी है और सभी औपचारिकताएं पूरी की गई हैं।जानकारी के मुताबिक छत्तीसगढ़ शासन के खनिज साधन विभाग ने 2 फरवरी 2021 को जारी आदेश के माध्यम से छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीएमडीसी) को तहसील भोपालपटनम, वनमंडल बीजापुर के कक्ष क्रमांक 560 (नया कक्ष क्रमांक 826) में 3.70 हेक्टेयर क्षेत्र पर कोरंडम खनिज के उत्खनन की अनुमति दी थी। विभाग ने यह भी बताया कि 25 मार्च 2011 को ग्राम पंचायत रुद्रारम और जनपद पंचायत भोपालपटनम ने खदान संचालन के लिए सर्वसम्मति से अनापत्ति प्रस्ताव पारित किया था।पर्यावरण नियमों का हवाला देते हुए स्पष्ट किया गया कि 5 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र या क्लस्टर खदानों के लिए जनसुनवाई अनिवार्य होती है। चूंकि यह खदान 5 हेक्टेयर से कम क्षेत्र में है और किसी क्लस्टर का हिस्सा नहीं है, इसलिए जनसुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण, रायपुर ने 20 दिसंबर 2025 को EIA Notification 2006 के प्रावधानों के तहत श्वष्ट Identification No. EC25C0108CG560516 0N जारी कर पर्यावरण स्वीकृति प्रदान कर दी है। खनिज विभाग के अनुसार खदान से जुड़े सभी कार्य स्वीकृत शर्तों और नियमों के अनुरूप संचालित किए जा रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।